द रेड स्टार न्यूज
को अनुभवी संवाददाता एवं प्रतिनीधि की आवश्यकता है, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947 website : www.theredstarnews.com P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

आखिर बार-बार क्यों आते रहते हैं भूकंप?

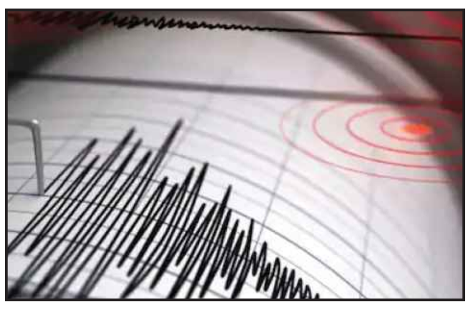

दिल्ली, भारत के लोग एक बार फिर तब सहम गए जब धरती हिल गई. दिल्ली एनसीआर समेत भारत के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं. झटके काफी देर तक महसूस किए गए हैं. झटका आने के बाद लोग अपने-अपने घरों के बाहर निकल गए हैं. भूकंप के झटके दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में महसूस किए गए. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार आखिर भूकंप क्यों आ जाते हैं. आइए यह भी समझते हैं कि भारत में कौन-कौन सी जगह ज्यादा संवेदनशील है. जब टैक्टोनिक प्लेट्स की स्थिति में परिवर्तन होता है. धरती में 12 टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं. इन प्लेट्स के आपस में टकराने पर जो ऊर्जा निकलती है, उसे ही भूकंप कहा जाता है. ये प्लेट्स बहुत धीमी रफ्तार से घूमती रहती हैं और हर साल अपनी जगह से 4 से 5 मिमी तक खिसक जाती हैं. ऐसे में कोई प्लेट किसी से दूर हो जाती है तो कोई किसी के नीचे से खिसक जाती है. इसी प्रक्रिया के दौरान प्लेट्स के टकराने से भूकंप आता है. यहां यह भी जानना जरूरी है कि रिंग ऑफ फायर में होने के कारण दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंप इंडोनेशिया देश में आते हैं. जावा और सुमात्रा भी इसी क्षेत्र में आते हैं. अब अगर भारत की बात करें तो पिछले कुछ दशकों में भारत भी भूकंप का केंद्र बनता जा रहा है. एक रिसर्च के मुताबिक, भूकंप का खतरा देश में हर जगह अलग-अलग है और इसी खतरे के हिसाब से देश को कई जोन में बांटा गया है. जैसे जोन- 1, जोन-2, जोन-3, जोन-4 और जोन-5. जोन-2 यानी सबसे कम खतरा और जोन-5 यानी सबसे ज्यादा खतरा है.

एनसीआर के गैस चैंबर बनने पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों की लगाई क्लास!

दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर की स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, यूपी से कहा है कि वो अपने यहां पर पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाए. कोर्ट ने कहा कि स्थानीय स्तर पर इलाके के एसएचओ इसके लिए जवाबदेह होंगे. वो राज्य के डीजीपी और चीफ सेक्रेट्री की निगरानी में काम करेंगे. कोर्ट ने कैबिनेट सचिव से कहा है कि वो इन राज्यों की मीटिंग बुलाकर ये सुनिश्चित करें कि पराली जलाने पर रोक लगे.

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा है कि वो राजधानी में लगे स्मॉग टॉवर की मरम्मत करें ताकि वो काम कर सकें. कोर्ट ने कहा कि ये हास्यास्पद है कि प्रदूषण की ऐसी स्थिति में भी स्मॉग टॉवर काम नहीं कर रहे हैं. कोर्ट ने दिल्ली सरकार से सुनिश्चित करने को कहा कि लोग खुले में कूड़ा न जलाएं. कोर्ट ने अगली सुनवाई पर दिल्ली पॉल्युशन कंट्रोल कमेटी के चेयरमैन को कोर्ट में पेश होने को कहा है. कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के पीछे पड़ोसी राज्यो में पराली जलाने को एक बड़ी वजह माना. इसके लिए कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई. जस्टिस संजय किशन कौल ने पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि पंजाब में अब भी पराली जलाई जा रही है. पिछले हफ्ते मैं पंजाब की ओर गया था. वहां सड़क के दोनों ओर पराली जलने का धुआं था. हम नहीं जानते कि आप इस पर कैसे लगाम

लगाएंगे. आप भले ही किसानों को प्रोत्साहित करें या दंडात्मक कार्रवाई का सहारा ले. पर आपको इस पर रोक लगानी ही होगी. कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण को लेकर हालात हर साल बदतर होते जा रहे हैं. बच्चे तरह-तरह की स्वास्थ्य दिक्कतो से जूझ रहे है. हम लोगों को यूं मरने के लिए नहीं छोड़ सकते. कोर्ट ने कहा कि इस मसले पर राजनीति नहीं होनी चाहिए. ये आरोप प्रत्यारोप का मसला नहीं है. अपने यहां पराली जलाने पर रोक लगाना आपकी जिम्मेदारी है. फिर दिल्ली, पंजाब में तो एक ही पार्टी की सरकार है. इसके बावजूद यहां प्रदूषण को लेकर हालात बदतर होते जा रहे हैं.

अब अलीगढ़ नहीं हरिगढ़ कहेंगे!

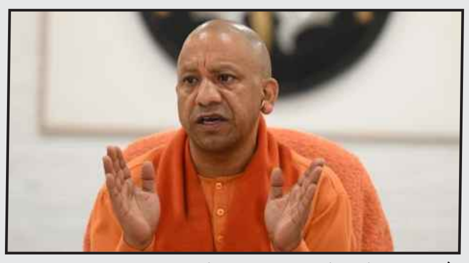

प्रयागराज, इलाहाबाद के बाद उत्तर प्रदेश के एक और प्रमुख शहर का नाम जल्द बदल जाएगा. अलीगढ़ को हरिगढ़ बनाने की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं. अलीगढ़ नगर निगम ने सर्वसम्मति से शहर का नाम बदलकर हरिगढ़ करने का प्रस्ताव पास कर दिया है. अलीगढ़ को हरिगढ़ बनाने का प्रस्ताव मेयर प्रशांत सिंघल ने पेश किया और सभी पार्षदों ने इसका समर्थन किया. अब यूपी सरकार के हरे सिग्नल का इंतजार है. उत्तर प्रदेश सरकार अलीगढ़ का नाम बदलने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे देती है, तो इससे भाजपा शासित राज्य में स्थानों का नाम बदलने की संख्या बढ़ जाएगी. इससे पहले यूपी के जिस जिले के नाम को बदलने की चर्चा सबसे ज्यादा हुई थी वो इलाहाबाद है. एक जनवरी 2019 में इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया गया. अलीगढ़ के नाम बदलने की कवायद को लेकर मेयर प्रशांत सिंघल ने कहा कि सोमवार को एक बैठक में अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ करने का प्रस्ताव पेश किया गया. सभी पार्षदों ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया. अब यह प्रस्ताव प्रशासन को भेजा जाएगा. मुझे उम्मीद है कि प्रशासन इस पर संज्ञान लेगा और हमारी मांग पूरी करेगा. अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ करने की मांग लंबे समय से की जा रही है. बता दें कि राज्य सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी शहर या क्षेत्र का नाम बदल सकती है. एक नगर निकाय सर्वसम्मति से प्रस्तावित नाम परिवर्तन प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद यह राज्य सरकार को लिखेगा. इसके बाद प्रस्ताव को मंजूरी के लिए राज्य सरकार द्वारा गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा.

केजरीवाल की पत्नी को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत

दिल्ली, दो वोटर आईडी कार्ड के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. अदालत ने अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को समन जारी करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाई है. दिल्ली हाई कोर्ट ने यह रोक 1 फरवरी 2024 तक लगाई है. अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए इसे एक फरवरी को सूचीबद्ध किया और आदेश दिया, 'इस फैसले से कई सवाल खड़े हो गए हैं इसलिए इसे लागू करने पर रोक रहेगी. बता दें तीस हजारी कोर्ट ने सुनीता केजरीवाल को 18 नवंबर को कोर्ट में पेश होने का समन जारी किया था. सुनीता केजरीवाल ने निचली अदलात के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है. बीजेपी नेता हरीश खुराना ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की पत्नी ने जन प्रतिनिधि (आरपी) अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है. बीजेपी नेता ने दावा किया कि सुनीता केजरीवाल साहिबाबाद निर्वाचन क्षेत्र (संसदीय क्षेत्र गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में मतदाता के तौर पर पंजीकृत थीं और वह दिल्ली में चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र में भी पंजीकृत थीं, जो आरपी अधिनियम की धारा 17 का उल्लंघन है.

PFI को सुप्रीम कोर्ट से झटका!

केरल, सुप्रीम कोर्ट ने देश विरोधी गतिविधियों के लिए प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की याचिका पर सुनवाई से इनकार किया है. पीएफआई ने केंद्र सरकार की ओर से लगाये गए पांच साल के प्रतिबंध को बरकरार रखने के यूएपीए ट्रिब्यूनल के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी. दरअसल ये मामला जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की बेंच के सामने लगा. बेंच ने कहा कि पीएफआई को इस मामले में सीधे सुप्रीम कोर्ट आने के बजाए हाई कोर्ट में याचिका दायर करनी चाहिए थी. पीएफआई की ओर से वकील श्याम दीवान ने कोर्ट की इस राय से सहमति जताई.

इसके बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी. इसके साथ ही कोर्ट ने पीएफआई को छूट दी कि वो चाहे तो ट्रिब्यूनल के आदेश को पहले दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं. पिछले साल 28 सितंबर को केंद्र सरकार ने पीएफआई और उससे जुड़े संगठनों को UAPA के सेक्शन 3(1) के तहत मिले अधिकार का इस्तेमाल करते हुए 5 साल के लिए बैन लगा दिया था. सरकार ने पीएफआई के अलावा रेहाब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम कॉउन्सिल, नेशनल कंफेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन, नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रेहाब फाउंडेशन केरल पर भी प्रतिबंध लगाया था.

सरकार का कहना था कि इन संगठनों के घ्एघ्ए और जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों से सम्बन्ध है. पीएफआई के कई संस्थापक सदस्य सिमी जैसे प्रतिबंधित संगठनों के नेता रहे हैं. जाहिर है कि पीएफआई और उससे जुड़े संगठन देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को नुकसान पहुंचाने के मकसद से लगातार ग़ैर क़ानूनी गतिविधियों में शामिल रहे हैं. इस साल मार्च में दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस दिनेश शर्मा की अध्यक्षता वाले यूएपीए ट्रिब्यूनल ने भी पीएफआई और दूसरे संगठनों पर लगे बैन को सही ठहराया था. नियमों के मुताबिक किसी संगठन पर केन्द्र सरकार की ओर से लगाए प्रतिबंध की यूएपीए ट्रिब्यूनल से पुष्टि करानी ज़रूरी होती है. यूएपीए के सेक्शन 3 के मुताबिक किसी संगठन को ग़ैरकानूनी करार दिए जाने के 30 दिन के अंदर इस बारे में जारी नोटिफिकेशन को सरकार ट्रिब्यूनल के पास भेजती है.

हीरालाल सामरिया बने देश के पहले दलित मुख्य सूचना आयुक्त

दिल्ली, हीरालाल सामरिया ने मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को हीरालाल सामरिया को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई. इसके साथ ही देश को पहला दलित मुख्य सूचना आयुक्त मिल गया है. इससे पहले यह जिम्मेदारी वाईके सिन्हा संभाल रहे थे. वाईके सिन्हा का कार्यकाल 3 अक्टूबर को खत्म हो गया था. इसके बाद से यह पद खाली था. हीरालाल सामरिया देश के पहले दलित मुख्य सूचना आयुक्त बने हैं. सीनियर ब्यूरोक्रेट हीरालाल सामरिया ने सात नवंबर, 2020 को सीआईसी में सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली थी. भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी सामरिया श्रम एवं रोजगार सचिव के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं. हीरालाल सामरिया का जन्म 14 सितंबर 1960 को राजस्थान के भरतपुर जिले के एक सुदूर और छोटे से पहाड़ी गांव में हुआ था. हीरालाल सामरिया ने राजस्थान यूनिवर्सिटी से बीई सिविल (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की है और 1985 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. सामरिया इससे पहले करीमनगर और गुंटूर के कलेक्टर भी रह चुके हैं. इसके अलावा वह तेलंगाना में वाणिज्य कर विभाग में आयुक्त, आंध्र प्रदेश में परिवहन विभाग में आयुक्त, सिंचाई विभाग में सचिव समेत कई अहम पदों पर भी रह चुके हैं.

महिला सैनिकों को रक्षा मंत्रालय ने दिया दिवाली गिफ्ट

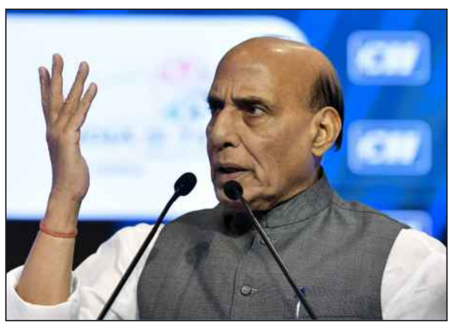

दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी महिला सैन्यकर्मियों को समान रूप से मैटरनिटी, चाइल्ड केयर और एडॉप्शन लीव देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह निर्णय सशस्त्र बलों में हर रैंक की महिलाओं की 'समावेशी भागीदारी' सुनिश्चित करने के सिंह के दृष्टिकोण के अनुरूप है. मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से सेना में महिलाओं को अपने पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन को बेहतर तरीके से संतुलित करने में मदद मिलेगी और इससे कामकाजी स्थिति में सुधार होगा. मंत्रालय ने कहा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, सेलर्स और एयर वॉरियर्स के लिए उनकी समकक्ष अधिकारियों के बराबर मैटरनिटी, चाइल्ड केयर और एडॉप्शन लीव देने संबंधी नियमों को लागू करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. मंत्रालय ने कहा इन नियमों के जारी हो जाने से सेना में सभी महिलाओं को समान रूप से ये छुट्टियां मिलेंगी, भले ही वे कोई अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक पर कार्यरत हों. अधिकारियों ने बताया कि इस समय महिला अधिकारियों को हर बच्चे के लिए 180 दिन का मैटरनिटी लीव मिलता है. यह नियम अधिकतम दो बच्चों पर लागू होता है. उन्होंने बताया कि महिला अधिकारियों को संपूर्ण सेवा कार्यालय में 360 दिन का चाइल्ड केयर लीव मिलता है. इसके लिए बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए. उन्होंने बताया कि एक वर्ष से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने की वैध तिथि के बाद 180 दिनों की एडॉप्शन लीव दी जाती है. मंत्रालय ने एक बयान में कहा अवकाश संबंधी नियमों के विस्तार से सशस्त्र बलों में महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में काफी मदद मिलेगी. उसने कहा इस कदम से सेना में महिलाओं के लिए कामकाजी स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी.

यूनिवर्सिटी के चुनाव में पहली बार ABVP ने मुस्लिम लड़की को चुनाव में उतारा

दिल्ली, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पहली बार 9 नवंबर को हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के लिए एक मुस्लिम महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है शेख आयशा अध्यक्ष बनने के लिए SFI-ASA-TSF गठबंधन के मोहम्मद अतीक अहमद के साथ मुकाबला करेंगी. यह केंद्रीय विश्वविद्यालय में संघ के शीर्ष पद के लिए दो अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के बीच यह पहला मुकाबला है. विशाखापत्तनम की शेख आयशा केमिस्ट्री में पीएचडी कर रही हैं अहमद भी पीएचडी छात्र हैं और हैदराबाद के निवासी हैं निवर्तमान अध्यक्ष, प्रज्वल गायकवाड़, अंबेडकर स्टूडेंट एसोसिएशन के नेतृत्व वाले गठबंधन से थे, जिसमें एइघ और ऊएइ अन्य भागीदार थे बता दें SFI सीपीएम की छात्र इकाई स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया है और ऊएइ ट्राइबल स्टूडेंट्स फेडरेशन है. आयशा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के दावों का पुरजोर विरोध किया कि ABVP ने उन्हें केवल इसलिए चुना है ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सगंठन अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है. आयशा ने कहा कुछ भी हो ABVP अल्पसंख्यक समर्थक और भारत समर्थक है वे उन सभी अल्पसंख्यकों

का समर्थन करते हैं जो राष्ट्र का समर्थन करते हैं और पहले इसके बारे में सोचते हैं मैं तब से इसकाहिस्सा हूं जब मैं एपी में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में एमएससी कर रहा थी. मैं तब राज्य कार्यकारिणी सदस्य थीं, जिससे पता चलता है कि वे नेतृत्व की भूमिकाओं में मुस्लिम महिलाओं का समर्थन करते हैं. आयशा ने कहा कि निर्वाचित होने पर उनका मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करना होगा कि हैदराबाद यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अक्षरशः लागू किया जाए उनका इरादा कैंपस में एक सामाजिक समरसता शैक्षणिक केंद्र की स्थापना की सुविधा प्रदान करने का भी है.

चाचा को सियासी पिच पर भतीजे ने किया आउट

मुंबई, महाराष्ट्र में रविवार को हुए ग्राम पंचायत चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि राज्य में राजनीतिक लड़ाई काफी दिलचस्प होने वाली हैं. करीब 2359 ग्राम पंचायतों के लिए हुए मतदान में से 1600 से ज्यादा पर नतीजे का ऐलान हो चुका है. चुनाव परिणाम शरद पवार के लिए कुछ अच्छा संकेत नहीं दे रहे हैं. बीजेपी ने दावा किया है कि उसने 650 सीटों पर कब्जा जमाया है. इसके बाद उसके सहयोगी शिंदे गुट और फिर एनसीपी के बागी अजित पवार के गुट का नंबर बताया जा रहा है. हालांकि यह चुनाव सबसे ज्यादा चाचा-भतीजे यानी शरद पवार और अजित पवार की टक्कर के तौर पर देखा जा रहा था. लेकिन ऐसा लगता है कि भतीजे ने चाचा को सिसासी पिच पर इस बार आउट कर दिया है. अजित पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के धड़े ने सोमवार को दावा किया कि उसके समर्थन वाले पैनल ने महाराष्ट्र के बारामती में 32 ग्राम परिषदों में से 30 पर जीत दर्ज की है. दो ग्राम पंचायतें बीजेपी समर्थित पैनल ने जीतीं, जो उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा की सहयोगी पार्टी है. पुणे जिले में बारामती को शरद पवार का गढ़ माना जाता है. शरद पवार ने बारामती लोकसभा सीट पर 1994-2009 तक अपना वर्चस्व कायम रखा. 2009 से उनकी बेटी सुप्रिया सुले इस

सीट पर जीतती आ रही हैं. अजित पवार बारामती विधानसभा क्षेत्र से चुनकर आते हैं. अजित पवार की छवि अब तक अपने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति करने वाले शख्स की रही है. उन्होंने जब एनसीपी में बगावत की और अलग राह चुनी तो ज्यादातर विश्लेषकों का यही मानना था कि शरद पवार के बिना वह राजनीति कुछ खास नहीं कर पाएंगे. लेकिन यह चुनाव नतीते बताते हैं कि उनको लेकर जनता में समर्थन बढ़ रहा है. यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह भी उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करने वाले एकनाथ शिंदे की तरह महाराष्ट्र के सीएम पद तक पहुंच पाएंगे. लेकिन इतना तय है कि 2024 के चुनाव में वह शरद पवार को मजबूत टक्कर देने की स्थिति में आ चुके हैं.

संपादकीय

देश में नहीं सुधर रहे सीवर सफाई कर्मियों के हालात

देश में सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गत दिनों केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया है कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को उसे 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी भी किए। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा उच्च न्यायालयों को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए। कोर्ट का यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया है। प्रतिबंध के बावजूद आज भी भारत में गंदी नालियों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों द्वारा हाथों से की जाती है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि पिछले पांच सालों में इस तरह की सफाई करने के दौरान 347 लोगों की मौत हो गई। लोक सभा में सामाजिक न्याय मंत्रालय से पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्रालय ने माना है कि भारत में इंसानों से गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों को साफ करवाने की प्रथा अभी भी जारी है और इसमें सैंकड़ों लोगों की जान जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि इस खतरनाक काम को करने के दौरान 2017 में 92, 2018 में 67, 2019 में 116, 2020 में 19, 2021 में 36 और 2022 में 17 सफाई कर्मियों की जान जा चुकी है।

देश के 18 राज्यों के आंकड़े मंत्रालय के पास हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इन पांच सालों में इस तरह की सफाई के दौरान सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 51 लोग मारे गए। उसके बाद तमिलनाडु में 48 लोग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 44 लोग, हरियाणा में 38 लोग, महाराष्ट्र में 34 लोग और गुजरात में 28 लोग मारे गए हैं। लेकिन लोगों का कहना है कि सीवर में मरने वालों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कई गुना अधिक है। इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवर सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनीधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH, Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सवोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

आवश्यकता है ...
भारत के सभी राज्यों एवं जिलों से अनुभवी पत्रकार एवं विज्ञापन प्रतिनिधि
सम्पर्क करें.
+91 9987585870

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

भारत को एक सूत्र में पिरोने में सफल रही है सनातन संस्कृति

सनातन संस्कृति ने न केवल भारत को एकता के सूत्र में पिरोया है बल्कि पूरे विश्व को ही भारत के साथ जोड़ा है। अब तो भारत में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा जा रहा है। भारत ने जी-20 समूह के देशों की अपनी अध्यक्षता के दौरान कई अतुलनीय कार्य किए हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति, सभ्यता और परम्पराएं विश्व में सबसे अधिक प्राचीन मानी जाती है। भारतीय संस्कृति को विश्व की अन्य संस्कृतियों की जननी भी माना गया है। भारत की संस्कृति और सभ्यता आदि काल से ही अपने परम्परागत अस्तितिव के साथ अजर अमर बनी हुई है। भारत में गीत संगीत, नाटक परम्परा, लोक परम्परा, धार्मिक संस्कार, अनुष्ठान, चित्रकारी और लेखन के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा संग्रह मौजूद है जो मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में जाना जाता है। इसे संजोने, संवारने और निखारने का महती प्रयास हाल ही के समय में बहुत मजबूती के साथ किया जा रहा है। विशेष रूप से पिछले एक दशक में भारत की संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं जिससे न केवल विश्व के लोगों को देश के माटी की सौंधी खुशबू मिली है बल्कि पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति को जानने एवं समझने का प्रयास भी कर रही है। भारत का अतीत वर्तमान से भी सुंदर एवं प्रभावशाली रहा है। भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता 75 वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर ली थी, परंतु भारत की सनातन संस्कृति आदि काल से चली आ रही है एवं लाखों वर्ष पुरानी है। भारत को 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता रहा है और भारतीय सनातन संस्कृति का लोहा पूरे विश्व ने माना है। धर्म, दर्शन, विरासत, तीज, त्यौहार, जायका और अनेकता में एकता के दर्शन करने को पूरी दुनिया भारत की ओर आकर्षित होती रही है। भारत को देव भूमि भी कहा गया है, यह अर्पण की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है और यह समर्पण की भूमि है। भारत आदि काल से ही एक जीता जागता राष्ट्र पुरुष है, यह मात्र एक जमीन का टुकड़ा नहीं है। भारत के कंकड़ कंकड़ में शंकर का वास बताया जाता है। हाल ही के कुछ वर्षों में भारत के आर्थिक विकास में विरासत पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है और भारत में आर्थिक विकास के साथ ही सांस्कृतिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। जिसके चलते अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। बल्कि अब तो अन्य कई देश, विकसित देशों सहित, भी अपने आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु एवं अपने आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

हाल ही के समय में भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, संवारने और उसकी संवृद्धि के लिए विशेष रूप से पिछले दशक के दौरान अथक प्रयास किए गए हैं। हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता और संस्कृति का आकर्षण ही कुछ ऐसा है कि कितने ही झंझावात क्यों न आए परंतु भारतीय सनातन संस्कृति अटूट रही। हालांकि कुछ देशों, जैसे ग्रीक, यूनान, ईरान आदि, की तो सभ्यताएं ही समूल नष्ट हो गईं। भारत में अभी हाल ही में आजादी के 75 वर्षों के बाद अमृत काल मनाया गया है। आजादी के अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च 2021 को प्रारम्भ हुई। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की गिनती शुरू हुई थी जो उत्सवों के साथ निरंतर गतिमान रही। इस बीच उत्सवों की लम्बी श्रृंखला चली और 15 अगस्त 2023 तक यह यात्रा निर्बाध गति से चलती रही। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान 166,000 से अधिक कार्यक्रम देश और दुनिया में आयोजित किए गए। जिसमें हर घर तिरंगा, वन्दे भारतम, कलांजलि जैसे कई बड़े कार्यक्रम भी शामिल रहे। अमृत महोत्सव के पांच स्तम्भ हैं- स्वतंत्रता संग्राम 75, विचार 75, समाधान 75, कार्य 75, उपलब्धियाँ 75। जनभागीदारी से मनाया जा रहा आजादी का अमृत महोत्सव, देश की इन 75 वर्षों की उपलब्धियों को पूरी दुनिया के सामने रखने का एक प्रयास है और इसके साथ ही अगले 25 वर्षों के लिए संकल्पों की रूपरेखा भी रखी जा रही है। भारतीय सनातन संस्कृति ने न केवल भारत को एकता के सूत्र में पिरोया है बल्कि पूरे विश्व को ही भारत के साथ जोड़ा है। अब तो भारत में 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' के रूप में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा जा रहा है। भारत ने जी-20 समूह के देशों की अपनी अध्यक्षता के दौरान कई अतुलनीय कार्य किए हैं। पिछले लगभग एक वर्ष के अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्य देशों की 200 से अधिक बैठकों का भारत के विभिन्न शहरों में आयोजन कर भारत ने पूरी दुनिया के समस्त देशों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत ने पूरी दुनिया को ही अपनी महान गौरवशाली सनातन संस्कृति, वैभवशाली विरासत, आध्यात्मिक क्षेत्र, आर्थिक विकास, आदि का परिचय देने में सफलता हासिल की है। भारत ने हाल ही के वर्षों में अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को हल करने एवं अपनी आर्थिक विकास दर को तेज करने में जो सफलता पाई है वह मुख्य रूप से भारत की सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं का पालन करते हुए ही प्राप्त की जा सकी है। इसके ठीक विपरीत विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से विश्व के कई विकसित देश अभी तक कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों के पालन से पश्चिमी देशों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही है। विकसित देशों में आज परिवार की प्रधानता एक तरह से समाप्त हो चुकी है। इस संदर्भ में यहां विशेष रूप से अमेरिका की स्थिति का उदाहरण दिया जा सकता है। अमेरिका में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न-भिन्न हो चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को दी नसीहत

दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने देश के विभिन्न राज्यों में राज्यपालों की ओर से विधानसभा से पास हुए बिल पर फैसला लेने में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की है. चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि राज्यपालों को मामला कोर्ट में पहुंचने से पहले बिल पर फैसला लेना चाहिए. ऐसा लगता है कि जब राज्य सरकार बिल की मंजूरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुँचती है, उसके बाद ही राज्यपाल अपने पास लम्बित बिल पर कार्रवाई करते नज़र आते है. उन्हें इसका इतंज़ार नहीं करना चाहिए. कोर्ट ने ये टिप्पणी पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान की है. हालांकि पंजाब के अलावा केरल और तमिलनाडु सरकार ने भी अपने अपने यहां राज्यपाल की ओर से बिल पेंडिंग रखने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. पंजाब सरकार ने विधानसभा से पास बिल पर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित की ओर से फैसला लेने में हो रही देरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. राज्य सरकार का कहना है कि राज्यपाल की असंवैधानिक निष्क्रियता के चलते प्रशासनिक काम में दिक्कत आ रही है. पंजाब सरकार का कहना है कि उसने 20 व 21 अक्तूबर को विधानसभा का दो दिवसीय सत्र बुलाया था, लेकिन राज्यपाल ने इस सत्र को गैरकानूनी ठहराने के साथ साथ इस सत्र में सरकार को तीन वित्त विधेयक पेश करने की अनुमति भी नहीं दी. जिसके चलते सत्र को तीन घंटे बाद ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा था. सदन में मनी बिल पेश करने के लिए गवर्नर की सहमति ज़रूरी है. हालांकि इसके बाद 1 नवंबर को तीन मनी बिल में से दो को गवर्नर ने अनुमति दे दी है. आज सुनवाई से दौरान पंजाब सरकार की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए. सिंघवी ने कोर्ट से कहा कि राज्यपाल के पास कई अहम बिल पेन्डिंग है. वो उन पर कोई फैसला नहीं ले रहे है.

चुनिंदा पिछड़ी जातियों की संख्या ही क्यों घटी-मोदी

पटना, बिहार में जातिगत जनगणना का मुद्दा गरमाया हुआ है. बिहार सरकार जहां इसे गुड वर्क की तरह पेश कर रही है, वहीं भाजपा नीतीश सरकार पर लगातार हमलावर है. अब बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने जातिगत जनगणना की कमियां गिनाई हैं. साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कई सवाल भी पूछे हैं. भाजपा ने बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे पर बिहार सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है. सोमवार को बीजेपी विधान मंडल दल की बैठक में जातीय जनगणना को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. विधानसभा में पेश होने वाले जातीय आंकड़े और सर्वे को लेकर सुशील मोदी ने नीतीश सरकार से मांग की है. उन्होंने कहा कि सरकार पंचायत वार आंकड़े जारी करे ताकि हकीकत सामने आ सके. सरकार कल क्या आंकड़े पेश करने वाली है, देखना होगा. साथ ही देखना होगा की आंकड़े के अनुसार विकास की योजनाओं का ड्राफ्ट नीतीश क्या बताते हैं. सुशील मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर भी सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा कि केंद्र में मजबूत मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद यादव ने जातीय गणना क्यों नहीं कराई? भाजपा की बैठक में मौजूद विजय सिन्हा ने कहा की सरकार चलाने की जिम्मेदारी पक्ष की है.

25% सवर्ण परिवार हैं गरीब चौंकाने वाले हैं आर्थिक आंकड़े

बिहार, नीतीश सरकार आज जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट विधानसभा में पेश करेगी. जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है. जाति गणना को लेकर नीतीश सरकार और बीजेपी आमने-सामने आ गई है. इस बीच जातिगत गनगणना के आर्थिक आंकड़े सामने आए हैं, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. आंकड़ों से पता चला है कि बिहार में रहने वाले 25 प्रतिशत सवर्ण परिवार आर्थिक रूप से कमजोर यानी गरीब हैं. बिहार के जाति आधारित जनगणना 2022-23 के अनुसार, आर्थिक रूप से गरीब परिवारों की संख्या सामान्य वर्ग में 25.09 फीसदी है. वहीं, पिछड़ा वर्ग 33.16 प्रतिशत और अत्यंत पिछड़ा वर्ग 33.58 फीसदी है. गरीब परिवारों में अनुसूचित जाति के परिवारों की संख्या 42.93 फीसदी और अनुसूचित जनजाति परिवारों का आंकड़ा 42.7 प्रतिशत है. अन्य जातियों में 23.72 फीसदी आर्थिक रूप से गरीब हैं. पिछड़ा वर्ग में यादव (ग्वाला, अहीर, गोरा, घासी, मेहर, सदगोप, लक्ष्मी नारायण गोला) 35.87 फीसदी, कुशवाहा (कोइरी) 34.32 फीसदी, कुर्मी 29.90 फीसदी, बनिया (सुढी, मोदक/मायरा, रनियार, पनसारी, मोदी, कसेरा, केसरवानी, ठठेरा, कलवार (कलाल/ एराकी), बियाहुत कलवार, कमलापुरी वैश्य माहुरी वैश्य, बंगी वैश्य (बंगाली बनिया) बरनवाल, अग्रहरी वैश्य, वैश्य पोद्दार, कसौधन, गधबनिक, गोलदार (पूर्वी/पश्चिमी चंपारण के लिए), बाथम वैश्य 24.62 फीसदी हैं. सबसे गरीब परिवारों में भूमिहारों की संख्या सबसे ज्यादा है और 25.32 फीसदी भूमिहार परिवार गरीबों की श्रेणी में हैं. इसके बाद ब्राह्मणों की संख्या है और 25.3 फीसदी ब्राह्मण परिवार गरीब हैं. 24.89 फीसदी राजपूत परिवार, 13.83 फीसदी कायस्थ परिवार, 22.2 प्रतिशत पठान (खान) परिवार और 17.61 फीसदी सैयद परिवार गरीब हैं.

क्या टल जाएगा ऑड-ईवन फैसला?

दिल्ली, एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को फसल अव (पराली) जलाने पर तत्काल रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि दिल्ली साल-दर-साल इस स्थिति से नहीं जूझ सकती. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के प्रदूषण नियंत्रण उपायों, खासकर उसकी प्रमुख ऑड-ईवन प्लान पर सवाल खड़े किए. एक तीखी टिप्पणी में पीठ ने कहा दिल्ली में ऑड-ईवन लागू किया गया है, लेकिन क्या यह कभी सफल हुआ है? यह सब दिखावा है. बता दें दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को घोषणा की कि वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने की कवायद के तौर पर शहर में 13 से 20 नवंबर तक ऑड-ईवन योजना लागू की जाएगी. साल 2016 में पहली बार लागू की गई इस योजना के तहत ऑड या ईवन रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कारों को वैकल्पिक दिनों (एक दिन छोड़कर एक दिन) पर चलाने की अनुमति दी जाती है. सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राय ने कहा हमने तय किया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन करने के बाद हम विस्तृत योजना बनाएंगे और फिर आप सभी को जानकारी देंगे. हम विस्तृत योजना में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी शामिल करेंगे. उन्होंने कहा सरकार ने ऑड-ईवन को 13 नवंबर को लागू करने का फैसला लिया है लेकिन अब हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन करने के बाद विस्तृत जानकारी देंगे.

महादेव दूध डेरी व स्वीट हाउस
हमारे यहां सुबह-शाम दूध लिया व दिया जाता है
मिठाई, दही, देशी घी, लस्सी, सफल मटर, पनीर, छेना, मशरूम, खोवा, कोल्डड्रिंक्स, मिनरल वाटर भी मिलता है
ऑर्डर देने पर बर्थडे केक भी मिलता है

प्रो. अशोक पाल : 8756685845
पता- खोईरी इंटर कॉलेज (डिहवा) के पास, बरसठी बंधवा रोड, बरसठी, जौनपुर

8 से 11 नवंबर तक होगी बारिश

मुंबई, तमिलनाडु, केरल समेत कई इलाकों में बारिश हो रही है। इसी बीच मुबई और आसपास के क्षेत्रों में 8 नवंबर से 11 नवंबर के बीच बारिश होने की संभावना मौसम विशेषज्ञों ने जताई है। बारिश हुई तो मुंबईकरों को प्रदूषण से राहत मिल सकती है। बारिश के कारण वायुमंडल में मौजूद कण तत्व सेटल हो जाएंगे, जिससे हवा की क्वालिटी भी सुधेरगी। मुंबई में प्रदूषण से यह हाल है कि लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। एक्यूआई गंभीर स्थिति में है।

कई इलाकों में धुंध की चादर सुबह से लेकर शाम तक छा रही है। मुंबई में प्रदूषण का मामला हाई कोर्ट भी संज्ञान में ले चुका है और अफसरों को फटकार लगाई है। दिवाली पर आतिशबाजी को लेकर भी नियम जारी होंगे। मुंबई में कंस्ट्रक्शन के कामों पर निगरानी है, कई पर रोक लगा दी गई है। अब बारिश होने से इस धुंध और धूल से मुंबई के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। मुंबई में रात का तापमान भले ही 24 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला गया, लेकिन दिन का तापमान अब भी 35 डिग्री से 36 डिग्री के बीच चल रहा है। पिछले 20 दिनों के आंकड़े दर्शाते हैं कि मुंबई उपनगर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। सोमवार को अधिकतम तापमान में हल्की सी गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, उपनगर में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री और न्यूनतम 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि शहर का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री और न्यूनतम 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

प्रदूषण पर बोला बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई के लोगों का जीवन प्रोजेक्ट से ज्यादा कीमती

मुंबईः दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में प्रदूषण से बुरा हाल है। मुंबई में सांसों पर संकट जारी है। धुंध ने मुंबई के 78 पर्सेंट परिवारों को बीमार कर दिया है। MMR में बढ़ रहे प्रदूषण के संकट पर सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के तल्ख तेवर नजर आए। प्रदूषण के रोकथाम के दावों पर कोर्ट ने कहा कि कागज पर सब सही दिख रहा है, मगर जमीन पर कुछ नहीं है। प्रदूषण से निपटने के लिए ऐक्शन प्लान तो बहुत हैं, लेकिन ऐक्शन ही गायब है। यदि अगली सुनवाई तक हवा की गुणवत्ता में सुधार नहीं आया, तो कंस्ट्रक्शन मटेरियल की ढुलाई में लगे वाहनों के ट्रांसपोर्टेशन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। हवा में धूल के कणों को लेकर जो आंकड़े आ रहे हैं, वे इंसानों के लिए ही नहीं पेड़-पौधों के लिए भी घातक हैं। हमें एक विकल्प चुनना होगा। हम पटाखे जलाएं या फिर प्रदूषण मुक्त वातावरण को चुने, निर्णय हमें लेना होगा। हाई कोर्ट ने प्रदूषण के मुद्दे का स्वयं संज्ञान लिया है। कोर्ट ने आगे कहा खराब हवा से सुबह की सैर से लेकर सबकुछ प्रभावित है। हमारे लिए सार्वजनिक और निजी निर्माण कार्य से जुड़े प्रोजेक्ट से अधिक मुंबईकरों का जीवन महत्वपूर्ण है। सरकार, एमएमआरडीए, बीएमसी व एमएमआर की महानगरपालिकाओं को अधिक सावधान और सतर्क होना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि दीपावली में हम पटाखे फोड़ने पर रोक का कोई आदेश नहीं देगे, मगर इसका समाधान सरकार को निकालना होगा। पुलिस और बीएमसी यह सुनिश्चित करें कि शाम सात बजे से रात दस बजे तक ही पटाखे फोड़े जाएं। हम सबकुछ प्रकृति पर नहीं छोड़ सकते हैं। नागरिकों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय व जस्टिस गिरीश कुलकर्णी की बेंच ने प्रदूषण के नियंत्रण को लेकर कई उपायों पर विचार किया और कहा कि निर्माण से जुड़े मटेरियल को ढोनेवाले वाहन बिना ढके कोई सामग्री न ले जाएं। यदि कोई वाहन ऐसा दिखता है, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाए। जिन जगहों पर कचरे को डंप किया जाता है, वहां पर कचरे को जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए। बीएमसी निर्माण कार्य के नक्शों को मंजूर करते समय उसमें प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी शर्त जरूर लगाए।

मुंबई लोकल के यात्रियों के लिए बड़ी राहत

मुंबई, करीब एक महीने से पश्चिम रेलवे पर ट्रेनों का परिचालन लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था। 7 अक्टूबर से रेलवे ने गोरेगांव से खार के बीच छठी लाइन के कनेक्शन का काम शुरू किया था। इस दौरान करीब 2,500 लोकल सर्विस रद्द करनी पड़ीं लेकिन अब गोरेगांव तक छठी लाइन पूरी तरह से तैयार होने से आने वाले दिन रेलवे और यात्रियों के लिए राहत लेकर आएगी। ये राहत उन लोकल ट्रेनों के यात्रियों को भी मिलेगी, जिन्हें मेल-एक्सप्रेस ट्रेन के बांद्रा टर्मिनस से निकलने या प्रवेश करने के कारण इंतजार करना पड़ता था। गोरेगांव तक छठी लाइन तैयार होने के बाद लोकल और मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को अब अनावश्यक रूप से क्रॉसिंग का इंतजार नहीं करना होगा। इसका पूरा फायदा बोरीवली तक छठी लाइन तैयार होने के बाद मिलेगा। बोरीवली से मुंबई सेंट्रल तक छठी लाइन पूरी तरह तैयार होने के बाद 20 प्रतिशत तक लोकल ट्रेन सर्विस बढ़ने की उम्मीद है। फिलहाल, बोरीवली तक के लिए तो काम चल रहा है लेकिन खार से मुंबई सेंट्रल तक तीसरे फेज में छठी लाइन को बनाया जाएगा, जिसकी डेडलाइन तक नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले दो सालों में पश्चिम रेलवे पर अंधेरी से बोरीवली तक बहुत से काम एक साथ चलने वाले हैं। इस दौरान लोकल ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाने के लिए सोच-समझकर फैसला लेना होगा क्योंकि, ट्रेनें देरी से चलने, पॉइंट फैल होने जैसी घटनाएं बढ़ सकती हैं। मसलन कुछ समय पहले विरार के पास लगातार दो दिन तक पॉइंट फैल हुए थे। यहां मुंबई रेल विकास निगम के काम के कारण सिग्नलिंग केबल डैमेज हो गई थी। गोरेगांव से बोरीवली तक छठी लाइन बनाने का काम पश्चिम रेलवे ने शुरू कर दिया है। दस किमी की इस दूरी में साल 2025 तक काम पूरा होने की उम्मीद है। बोरीवली से विरार तक पांचवी और छठी लाइन का काम मुंबई रेल विकास निगम कर रही है। विरार से डहाणू के बीच तीसरी और चौथी लाइन का काम मुम्बई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर रही है। इसी दौरान, जोगेश्वरी पर टर्मिनस के काम को मंजूरी मिल चुकी है। गोरेगांव से बोरीवली तक हार्बर लाइन को भी विस्तार दिया जा रहा है। इन सभी कामों के साथ कुछ स्टेशनों पर अमृत स्टेशन का काम भी होगा। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमित जगह में इतने सारे प्रॉजेक्ट एक साथ चलने के कारण बाधाएं आने वाली हैं। तकनीकी बाधाओं के अलावा एक साथ कई प्रॉजेक्ट्स को अंजाम देने के लिए सभी विभाग में तालमेल बिठाना भी चैलेंजिंग है।

डंपिंग ग्राउंड से लेकर

अवैध क्रेशर प्लांट्स

वसई, मुंबई सहित एमएमआर क्षेत्र में इन दिनों प्रदूषण चरम पर है। शहर में कोहरा सा छाया रहता है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। वसई-विरार में भी पिछले कुछ दिन से प्रदूषण काफी हो रहा है। सांस संबंधी बीमारी वाले लोग ज्यादा परेशान हैं। उसमें आग में घी का काम यहां के सुलगता डंपिंग ग्राउंड, अवैध क्रैशर मशीनें और कंस्ट्रक्शन साइट्स कर रही हैं। धुंआ लोगों की जिंदगी में जहर घोल रहा है। प्रदूषण रोकने के लिए प्रशासन के पास कोई उपाय नहीं है। लोगों में खांसी, सर्दी, जुकाम, आखों में जलन जैसी तमाम दिक्कतें हो रही हैं। सबसे ज्यादा बुरा हाल वसई और नायगांव के लोगों का है। इन दिनों मुंबई और आस-पास के उपनगरों में प्रदूषण काफी फैल रहा है। प्रदूषण का असर वसई-विरार के लोगों पर भी पड़ रहा है। वसई (ईस्ट) का अधिकतर क्षेत्र इंडस्ट्रियल है। यहां हजारों कंपनियां चलती हैं। इसी तरह, यहां कई अवैध स्टोन क्रेशर और सीमेंट मिक्सर प्लांट चल रहे हैं। पहाड़ी का खनन जोरों पर चल रहा है। यहां से निकलने वाली धूल और धुएं से यहां वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। नायगांव, कामन, राजीवली, मधुबन, चिंचोटी, बापाने, मालजी पाडा, टिवरी, भोयदा पाडा, वाघरल पाडा आदि जगहों पर बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण जारी है। वसई (पूर्व) के भोयदा पाडा डंपिंग ग्राउंड में आग लगने से कचरे का धुंआ पूरे क्षेत्र में फैल जाता है। इससे लोगों को तरह-तरह की बीमारियां होने लगी हैं। कंपनियों से निकलने वाले प्रदूषण पर महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड नियंत्रण नहीं कर पा रहा है। दरअसल, यहां एमपीसीबी विभाग कोई भी अधिकारी जांच-पड़ताल के लिए नहीं आता है। लोगों की शिकायत के बाद भी विभाग ध्यान नहीं देता है। सुलगते डंपिंग ग्राउंड की समस्या पर मनपा 14 साल में कोई उपाय नहीं निकाल पाई है। डंपिंग ग्राउंड से सटे वाघरल पाडा निवासी संजय प्रजापति ने बताया कि वह यहां 10 साल से रहे हैं। मिट्टी से भरे डंपर, स्टोन क्रैशर से निकली धूल और डंपिंग के धुएं से प्रदूषित हो जाता है।

संजय राउत ने अमित शाह पर किया कटाक्ष

मुंबई, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अपनी पार्टियों की ही गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी पांच राज्यों में होने वाले आगामी चुनाव में एक में भी जीत दर्ज नहीं करेगी और पार्टी को सभी राज्यों में हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चुनावी राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस नंबर वन पार्टी है। अगर हम विधानसभा चुनावों में भाजपा को नहीं हराएंगे, तो लोकसभा चुनावों की तैयारी कैसे करेंगे? उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में चुनावों के बाद आईएनडीआईए गठबंधन की फिर से बैठकें की जाएंगी। उन्होंने कहा कि चुनावी राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस नंबर वन पार्टी है। अगर हम विधानसभा चुनावों में भाजपा को नहीं हराएंगे, तो लोकसभा चुनावों की तैयारी कैसे करेंगे? उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में चुनावों के बाद आईएनडीआईए गठबंधन की फिर से बैठकें की जाएंगी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए पर जोरदार हमला बोलेत हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों का एक ही एजेंडा है पीएम मोदी का विरोध करना। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर भी हमला बोला।

ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के मस्जिद बंदर इलाके से एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 2 करोड़ 40 लाख रुपये की उच्च गुणवत्ता वाली चरस ड्रग्स बरामद की है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 48 साल के हुसैन अब्दुल्ला शिरगांवकर के रूप में हुई है। वह ठाणे का रहने वाला है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसको अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को आठ नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के मस्जिद बंदर इलाके से एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 2 करोड़ 40 लाख रुपये की उच्च गुणवत्ता वाली चरस ड्रग्स बरामद की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

मुंबई, मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया के चयन पर विपक्ष ने सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। लोकसभा में कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया के चयन के संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा।पत्र में नेता अधीर रंजन चौधरी ने लिखा है... लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता के रूप में चयन समिति का सदस्य होने के बावजूद मुझे सीआईसी/आईसी के चयन के बारे में बैठक में जोकि 3 नवंबर को प्रधानमंत्री के आवास पर आयोजित किया गया था मुझे उस बैठक में पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया। मुख्य सूचना आयुक्त के चयन पर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी का कहना है, संवैधानिक परंपराओं, नियमों और विनियमों का उल्लंघन किया गया है। जब मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति की गई तो विपक्षी दल के नेता या सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता या एलओपी राज्य के नेता को नियुक्त किया गया। इसके लिए सभा बुलानी चाहिए थी। जब आदर्श आचार संहिता लागू है तो मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति असंसदीय और नियम-कायदों का उल्लंघन है। लोकसभा में कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया के चयन के संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा है। पत्र लिखकर कांग्रेस नेता ने राष्ट्रपति से सवाल किया है साथ ही पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि बैठक में उन्होंने मुझे अंधेरे में रखा।

महाराष्ट्र पंचायत चुनाव

650+ सीटें जीतकर बीजेपी नंबर वन

मुंबई, महाराष्ट्र में ग्राम पंचायत चुनाव के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। अभी तक करीब 1600 से अधिक सीटों पर विजेताओं का फैसला हो गया है और बीजेपी 650 से अधिक सीटें जीतकर नंबर वन बनी हुई है। बीजेपी के सहयोगी शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी पवार गुट ने भी मिलकर 1000 से ज्यादा सीटों पर कब्जा कर लिया है। राज्य के कुल 2359 ग्राम पंचायतों के लिए 74 प्रतिशत मतदान हुआ था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो फाड़ होने के बाद चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच पहला चुनावी मुकाबला है। इसके अलावा शिवसेना (उद्धव गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) के ताकत का फैसला भी महाराष्ट्र पंचायत चुनाव में होना है। शरद पवार के गढ़ बारामती में भतीजे अजित पवार अपने चाचा पर भारी पड़े। बारामती तालुका में कुल 28 ग्राम पंचायतों के नतीजे घोषित हो गए है। इस तालुका के 26 ग्राम पंचायतों के सरपंच पद पर एनसीपी अजित पवार गुट ने कब्जा कर लिया है, जबकि दो सीटों पर बीजेपी के सरपंच चुने गए। बारामती शरद पवार का गढ़ रहा है। 1984 के बाद से इस सीट पर या तो शरद पवार जीते या उनके समर्थन से कोई कैंडिडेट ही जीता। खुद शरद पवार 1991 से 2009 तक इस सीट से सांसद रहे। 2009 में उन्होंने इस सीट से बेटी सुप्रिया सुले को उतारा और वह विजयी रही। पवार फैमिली के लिए बारामती गृह जिला भी है। राज्य के अन्य जिलों में अजित पवार के गुट ने शरद गुट से अधिक सीटें हासिल की हैं। धुले जिले की ग्राम पंचायतों में बीजेपी का दबदबा रहा।शिंधखेड़ा में जयकुमार रावल के नेतृत्व में बीजेपी ने 13 में से 11 ग्राम पंचायतों पर जीत हासिल कर ली। अभी तक घोषित परिणामों के अनुसार, महाराष्ट्र में अब के. चंद्रशेखर राव की बीआरएस पार्टी की भी एंट्री हो गई है। बीआरएस ने पंढरपुर में 6 और भंडारा में 9 सीटें जीती हैं। महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के दोपहर तीन बजे तक घोषित चुनाव परिणामों में 679 ग्राम पंचायतों में विजयी के साथ भारतीय जनता पार्टी पहले नंबर पर कायम है। प्रदेश की सरकार की अगुवाई कर रही शिवसेना (शिंदे गुट) को भी 235 पंचायतों में जीत मिली है। अजित पवार के गुट वाली एनसीपी ने भी 321 पंचायतों पर कब्जा किया है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को 94,कांग्रेस को 137 और शरद पवार की खेमे वाली एनसीपी को 142 पंचायतों में सफलता मिली है। छत्रपति संभाजी नगर, नाशिक, सांगली, धुले और कोल्हापुर में बीजेपी गठबंधन ने बाजी मारी है। पुणे में कांग्रेस ने 22 सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाया है। पालघर जिले में अजित पवार का गुट और कांग्रेस को एक भी सीटें नहीं मिली हैं। धुले में बीजेपी ने 31 में से 25 ग्राम पंचायतों पर बीजेपी ने जीत हासिल की है। जलगांव में बीजेपी नेता गिरीश महाजन ने एक बार फिर जामनेर में पार्टी को बड़ी सफलता दिलाई है। बीजेपी ने जामनेर की 17 ग्राम पंचायतों में से 16 में जीत हासिल की है। यह इलाका कभी एनसीपी का गढ़ माना जाता था और पार्टी के नेता एकनाथ खडसे इस इलाके में जीत का परचम लहराते रहे। मगर इस बार बीजेपी ने उन्हें पटखनी दे दी।

मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा

एक सोची-समझी साजिश

मुंबई, मराठा आरक्षण को लेकर पिछले हफ्ते बीड जिले में आंदोलन के दौरान हिंसा हुई थी। अब इस हिंसा को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने की मांग कर डाली है। बीड के संरक्षक मंत्री और राज्य के कृषि मंत्री ने आरोप लगाया है कि पिछले हफ्ते बीड में हुई हिंसा एक बड़ी साजिश थी। उन्होंने कहा कि हिंसा के पीछे के मास्टरमाइंड की जांच करने और उसकी पहचान करने के लिए एक एसआईटी गठित करने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान बीड के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं देखी गईं। इस दौरान लोगों ने कुछ विधायकों के घरों में आग लगा दी। मुंडे ने रविवार को उन स्थानों का दौरा किया जहां हिंसा हुई और विधायक प्रकाश सोलंके, संदीप क्षीरसागर, पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर के आवास और अन्य स्थानों का दौरा किया। मीडिया से बात करते हुए मुंडे ने कहा जब माजलगांव में सोलंकी के आवास को आग लगा दी गई और भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जा सका, तो पुलिस मुख्यालय से एक बल इलाके में भेजा गया। इसके बाद हिंसा बीड शहर तक फैल गई और यहां बल पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह पुलिस की खुफिया विफलता है। मंत्री ने कहा, पुलिस ने लगभग 250-300 लोगों की पहचान की है, जिन्होंने सोलंकी के आवास पर हमला किया और बीड शहर में हिंसा में शामिल थे। हालांकि, जांच सही रास्ते पर है, जांच में तेजी लाने और मास्टरमाइंड और दोषियों की पहचान करने के लिए एसआईटी जांच की जरूरत है। मुंडे ने कहा कि वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्रियों से मिलेंगे और बीड हिंसा की एसआईटी जांच की मांग करेंगे। उन्होंने दावा किया कि घटनाओं की गहराई से जांच की जाएगी और पुलिस की भूमिका की भी जांच की जाएगी क्योंकि हिंसा आठ घंटे तक चली थी।

संबंध और फिर दुष्कर्म का आरोप अदालत ने आरोपी व्यक्ति को किया बरी

ठाणे, महाराष्ट्र में ठाणे जिले की एक अदालत ने एक महिला से दुष्कर्म के आरोपी 46 साल के एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि महिला महिला शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। इसलिए, वह अच्छी तरह से परिचित है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा है। पीड़ित महिला 14 साल से आरोपी के साथ संबंध में थी। ठाणे सत्र न्यायाधीश डॉ रचना आर तेहरा ने कहा कि महिला ने आरोपी के साथ 14 साल तक लगातार संबंध बनाए रखा जो अपने आप में बहुत ही लंबा समय होता है अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस तथ्य को स्वीकार करना बेहद ही असंभव है कि धमकियों के कारण उसने आरोपी के साथ इतने लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाए रखा। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि इन सभी मामलों से यह पता चलता है कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के तहत दर्ज किए गए अभियोजन पक्ष के बयान और अदालत के समक्ष दर्ज किए गए बयान में एक नहीं कई विरोधाभास हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने में भी लगभग 14 साल की भारी देरी हुई है जो अभियोजक द्वारा स्थापित मामले पर गंभीर संदेह पैदा करती है। अदालत ने कहा कि यह किसी भी विश्वसनीयता के योग्य नहीं हैं। मालूम हो कि पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ 24 अक्टूबर 2013 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने अदालत को बताया कि उसकी शादी 1992 में हुई थी। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी व्यक्ति ने उसको अपने घर बहाने से बुलाया था कि उसकी मां की तबियत ठीक नहीं है। जब पीड़िता उसके घर गई तो उसने देखा कि उसकी मां ठीक है। हालांकि इस दौरान आरोपियों ने महिला को नशीला पेय पदार्थ पिलाया जिसके बाद वह बेहोश हो गई। वहीं इस मामले पर अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि पीड़िता को कोई बेहोश करने वाला नशीला पदार्थ दिया गया था।

विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे कार्यकर्ता जारांगे

मुंबई, मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने सोमवार को कहा कि वह मराठों से मिलने और उन्हें समुदाय के लिए आरक्षण के मुद्दे के बारे में जागरूक करने के लिए दिवाली त्योहार के बाद महाराष्ट्र के दौरे पर निकलेंगे। दरअसल 2 नवंबर के अनशन के बाद जारांगे को छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस अस्पताल में राकांपा विधायक रोहित पवार उनसे मिलने पहुंचे। इसी दौरान जारांगे ने मीडिया से यह बात कही। जारांगे ने कहा अभी दौरे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, इसे आज अंतिम रूप दिया जाएगा। मैं महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करूंगा। दौरे के चार चरण होंगे और इसकी शुरुआत विदर्भ क्षेत्र से हो सकती है। मालूम हो कि मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन के दूसरे चरण के दौरान पिछले महीने भूख हड़ताल पर जाने से पहले कार्यकर्ता ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों का दौरा किया था। जारांगे अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, एक ऑडियो क्लिप वायरल हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र के मंत्री और राकांपा नेता छगन भुजबल को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया था यह हमारे लिए करो या मरो की स्थिति है और हमें अपनी आवाज उठानी चाहिए। क्लिप के बारे में पूछे जाने पर जारांगे ने कहा मैं भुजबल के बारे में कुछ नहीं कहने जा रहा हूं। मराठा आरक्षण के लिए हमारी लड़ाई शांतिपूर्वक जारी है और हम लड़ेंगे और जीतेंगे। चाहे कितना भी दबाव बनाया जाए, आंदोलन नहीं रुकेगा।

20-20 हजार लेकर मुस्लिमों को बनाया दलित दिया मुख्यमंत्री आवास

प्रयागराज। जिले के कौंधियारा ब्लॉक के लहबरा गांव निवासिनी आसमा बेगम पत्नी अंसार अहमद और आबिदा बेगम पत्नी स्व. अकबर खान से दूसरे ब्लॉक करछना के सचिव आदित्य पौंडवाल, लेखपाल भानु प्रजापति ने 20-20 हजार रुपये लेकर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी कर दिया। साथ ही उन्हें दूसरे ब्लॉक करछना के लखरावा से मुख्यमंत्री आवास भी आवंटित कर दिया। इसकी जानकारी होते ही समाजसेवी घनश्याम शर्मा और मयंक पांडेय ने शिकायत की तो खलबली मच गई। अब पीडी प्रयागराज एके मौर्य इसकी जांच कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र में तहसीलदार करछना गणेश सिंह का हस्ताक्षर है। मुस्लिमों के नाम एससी का प्रमाण पत्र जारी करने के दौरान उन्होंने भी पैसे लिए होंगे। इसकी जांच जिले के बड़े अधिकारियों से कराई जाए। वहीं आवास बाबू करछना बृजेश बाबू द्वारा पैसे ट्रांसफर करते समय भी सेटिंग की गई होगी। ऐसे में सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। शिकायतकर्ताओं

ने बताया कि दोनों महिलाओं आसमा बेगम और आबिदा बेगम को कौंधियारा ब्लॉक के लहबरा गांव से वर्ष 2013 में आवास मिल चुका है। अब दोबारा सचिव आदित्य पौडवाल, लेखपाल भानु प्रजापति, तहसीलदार गणेश सिंह, आवास बाबू बृजेश की मिलीभगत से करछना ब्लॉक के लखरावा गांव से वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री आवास आवंटित किया गया।

रात में भी चमक रहा अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर

अयोध्या, अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर रात के अंधेरी रोशनी में भी काफी दिव्य नजर आ रहा है। 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। ऐसे में 6 नवंबर को ट्रस्ट ने बन रहे मंदिर की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। मंदिर लगभग बन कर तैयार चुका है। मंदिर के निर्माण का अंतिम समय में फाइनल टच दिया जा रहा है। तस्वीरों में आप पुरे मंदिर के अद्भुत और अलौकिक नक्काशी को देख सकते हैं। आपको बता दें कि इन दिनों 24 घंटे यानी कि दिन-रात राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी 2024 को राम भक्तों का सबसे बड़ा सपना साकार होगा। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए निमंत्रित किया है।

बच्ची के साथ हैवानियत कर उसकी हत्या

गोरखपुर। जिले के बड़हलगंज थानाक्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां घर के बाहर खेल रही दस साल की बच्ची का पड़ोस में रहने वाला ट्रक चालक अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद मासूम को हत्या कर शव को घर में ही छुपा दिया। ताज्जुब की बात है की इस दरिंदगी को आरोपी के घर वाले भी जान रहे थे। बच्ची के घर न आने पर परेशान घरवाले शक होने पर जब आरोपित के घर पहुंचे तो वहां बच्ची का शव बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक, उसकी पत्नी, भाई और बेटे के खिलाफ अपहरण, हत्या, दुष्कर्म साजिश की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। देर रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक को मऊ, उसकी पत्नी को बेलीपार से गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। बड़हलगंज बड़हलगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली बच्ची के पिता मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। रविवार दोपहर वह घर के बाहर खेल रही थी। शाम होने तक जब बच्ची नहीं दिखी तो घर वाले

परेशान हो गए। शाम को काफी खोजबीन के बाद बच्ची, पड़ोस में रहने वाले ट्रक चालक के यहां अचेत अवस्था में मिली। घबड़ाए घर वाले बच्ची को लेकर स्वास्थ्य केंद पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है की ट्रक चालक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दिया। इसमें आरोपी के घरवाले भी शामिल थे। एसपी नॉर्थ मनोज अवस्थी ने बताया की आरोपियों को तलाश में दबिश जारी है। गांव में सुरक्षा की दृष्टि से फोर्स भी तैनात है।

डायल 112 की महिलाओं से मिलने पहुंची सपा कार्यकर्ता

लखनऊ, डायल 112 की महिलाओ से मिलने पहुंची महिला सपा नेता।पूजा शुक्ला पहुंची डायल 112 की महिलाओ से मिलने।आउटसोर्स महिलाओ से मिलकर सुनी उनकी समस्या। डायल 112 महिलाओं का आरोप पुलिस ने की उनकी पिटाई। पूरे प्रदेश में किसी भी आपदा के दौरान जब लोग अपने फोन से सहायता के लिए 112 डायल करते है तो उनकी काल सुनकर महिला कर्मचारी मदद के लिए यूपी पुलिस को बताती है जिसके बाद ही पुलिस की सहायता पीड़ित को मिलती है लेकिन सोमवार को वही कर्मचारी खुद अपनी समस्याओं से जूझती नजर आयी। इन कर्मचारियों का कहना है कि उनकी सैलरी बढ़ाई जाए और साथ जॉब ऑफर लेटर पूरी सैलरी इन हैंड दी जाए। तथा टारगेट का प्रेशर न दिया जाए। इस मांग को लेकर 112 मुख्यालय पर कार्य करने वाली महिलाओं और युवतियों ने काम बंद कर दिया और मुख्यालय के गेट पर सुबह दस बजे से धरना शुरू कर दिया। धरने के दौरान इन लोगों से शाम तक कोई बात करने ही नहीं आया, तो ये लोग वहां से सुल्तानपुर रोड जाम करने के लिए चल दी, जिससे पुलिस के हाथ पाँव फूल गए और मौके पर मौजूद पुलिस ने आनन फानन में रस्सी लगाकर उन्हें रास्ते में ही रोका। इसकी सूचना

पाकर मौके पर पहुंचे डीसीपी साउथ विनीत कुमार जायसवाल ने इन लोगों से बात कर समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई बात नहीं बनी। तब उन्होंने एडीजी से मुलाकात कर अपनी बात रखने को कहा लेकिन इस पर भी कोई बीच का कर्मी अंदर जाने को तैयार नहीं हुआ। जब इन अधिकारियों से बात नहीं बनी तो काल टेकर्स युवतियों ने धरना जारी रखा। डायल 112 में कार्यरत कॉल टेकर्स रोड के द्वारा सोमवार को सुबह से ही कार्य न कर अपनी प्रयास मांगों को लेकर धरना दिया जा रहा था जिसके चलते रास्ते कुछ कार्य भी बाधित हुआ होगा। कर्मचारियों के धरने से कोई सेवा बाधित नहीं हुई है और निर्बाध रूप से चल रही है।

हिस्ट्रीशीटर बेलाल अहमद की हत्या

आजमगढ़, फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के सदरपुर बरौली गॉव स्थित ट्यूबवेल के पास सोमवार की देर शाम अज्ञात बदमाशों ने हिस्ट्रीशीटर को गोली मार दी। बदमाशों की गोली से हिस्ट्रीशीटर युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आजमगढ़ जिले के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र में सदरपुर बरौली गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर बेलाल गांव के बाहर दुर्वासा रोड पर स्थित ट्यूबवेल पर बैठा था। बताया जा रहा की देर शाम बाइक सवार बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दिया। गोली लगने से बेलाल लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुचते, तब तक बदमाश मौके से फरार हो गये। घटना से परिजनों व ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 24 वर्षीय बेलाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौके पर तत्काल आला अधिकारी सहित फॉरेंसिक टीम व एसओजी टीम पहुंची। बताया कि मृतक को फोन करके बुलाया गया और घटनाकारित की गई। मृतक के ऊपर 2019 और 2023 के मध्य गोकशी और दो गैंगस्टर के मुकदमें पंजीकृत है। हिस्ट्रीशीटर नं. 112 ए इसी वर्ष 19 मार्च को खोली गई है।

विनोद एस.पी.सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 9415287895

मृतक ने आत्मरक्षा के लिए मांगा एके-47 का लाइसेंस

आजमगढ़। अक्सर ये सुना जाता है कि लोग दस्तावेज में मृत हैं और खुद को जिंदा करने में लगे हुए हैं। ऐसे में उन्हें सरकारी कार्यालयों के साथ ही साथ कई हथकंडे अपनाने पड़ते हैं। ऐसे ही हैं आजमगढ़ के रहने वाले लाल बिहारी मृतक, जिन्हें खुद को जिंदा करने के लिए 18 साल का समय लगा। अब वो ऐसे लोगों की लड़ाई लड़ते हैं जो खुद को जिंदा कराने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। ऐसे में उन्हें भी अब जानमाल का खतरा सताने लगा है। आजमगढ़ की निजामाबाद तहसील के खलीलाबाद गांव में जन्मे और अमिलो में रहने वाले लाल बिहार मृतक ने अपनी सुरक्षा के लिए प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन को लेटर लिख कर एके-47 राइफल का लाइसेंस मांगा है। यह विषय अब पूरे जनपद ही नहीं आजमगढ़ से लखनऊ तक चर्चा का विषय बना हुआ है। आजमगढ़ के रहने वाले लाल बिहारी मृतक के अनुसार उनका जन्म 6 मई 1955 को हुआ था लेकिन पिता की मौत के बाद ग्राम प्रधान और राजस्व अधिकारियों ने मिलीभगत कर उन्हें दस्तावेजों में मृत घोषित कर सारी जमीन हड़पा ली और मेरे चचा के ना कर ली। उसके बाद जब होश संभाला तो लाल बिहारी ने खुद को जिंदा करने की कवायद शुरू की। कई सारे चुनाव लड़े। लोकसभा-विधानसभा के चुनाव में भाग्य आजमाया। इसके अलावा मृतक संघ का निर्माण कर ऐसे लोगों की लड़ाइयां लड़नी शुरू कर दी। ऐसे में अपनी सुरक्षाके लिए लाल बिहारी मृतक ने एके-47 लाइसेंस मांगा है।

बदमाशों की फायरिंग से सिपाही जख्मी

सम्भल, फायरिंग में हयातनगर के पीला खदान सराय निवासी गोतस्कर मुकीम और संभल कोतवाली के नाला निवासी जुनैद पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बता दें की एसपी कुलदीप गुनावत ने बताया कि चेकिंग के दौरान कोकावास के पास तीन संदिग्ध बाइक पर कुछ सामान ले जाते दिखे। उन्हें रोकने का इशारा किया तो भागने लगे। जब पुलिस ने उन्हें घेर लिया तो तीनों ने फायरिंग कर दी। इसमें सिपाही घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों को गोली लगी है। बदमाशों के पास से गोकशी के उपकरण रस्सी, छुरी, कुल्हाड़ी, प्लास्टिक के कट्टे, मीट रखने के लिए पॉलीथिन व घटनास्थल से गोवंशीय बरामद हुआ है। बदमाशों के पास से घटना स्थल से दो तमंचे, चार कारतूस, दो खोखे बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि बदमाश मुकीम गोतस्कर हैं और गैंगस्टर बदमाश हैं। उस पर 52 मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा भी पुलिस उसका इतिहास खंगाल रही है। जबकि जुनैद पर 14 और सालिम पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। गश्त के दौरान पुलिस को देखकर रहे बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। तीसरे बदमाश को कांबिंग कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

देखते ही देखते आग का गोला बना डंपर

कानपुर, कानपुर-सागर हाईवे पर बिधनू के पास डंपर में अचानक आग लग गई। जब तक चालक और परिचालक कुछ समझ पाते तब तक डंपर आग का गोला बन गया था। किसी तरह दोनों ने कूद कर अपनी जान बचाई। राहगीरों ने डंपर जलता देख पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस दौरान करीब 2 घंटे तक हाईवे पर यातायात का परिचालन बाधित रहा। कानपुर से घाटमपुर की ओर जा रहा एक डंपर जैसे ही बिधनू थाना क्षेत्र के शम्भुहा पुल के पास पहुंचा तभी अचानक शार्ट सर्किट से डंपर में आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। डंपर चालक और क्लीनर ने कूदकर अपनी जान बचाई है। जिसके बाद उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। यहां पर डंपर से आग की दस फुट ऊंची लपटें उठ रही थी। पुल के ऊपर डंपर जलने से हाइवे पर यातायात बाधित हो गया। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची बिधनू पुलिस ने फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। इस दौरान हाइवे पर पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने आग बुझाने के बाद हाइवे पर यातयात बहाल कराया है, साथ ही पीएनसी की क्रेन को बुलाकर डंपर को पुल से हटाकर यातयात बहाल कराया गया। बिधनू इंस्पेक्टर प्रद्युमन सिंह ने बताया कि शार्ट सर्किट से डंपर में आग लगी थी। आग पर काबू पाया गया है। हाइवे पर यातयात बहाल हो गया है।

पूर्व प्रधानाचार्य ससुराल से गिरफ्तार

आजमगढ़, संस्थागत छात्रों को वित्तविहीन छात्र बनाकर 1,22,47,036 का गबन करने के आरोपी शिब्ली इंटर कालेज के पूर्व प्रधानचार्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी जालंधरी मोहल्ला स्थित उनके ससुराल से की गई। इस मुकदमें में पूर्व प्रबंधक अब्दुल कय्यूम भी दोषी हैं। मुकदमा प्रबंध कमेटी शिब्ली इंटर कालेज ने दर्ज करवाया है, जिसमें यह गिरफ्तारी हुई है। आरोप है कि कक्षा 6 से 12 तक के अंग्रेजी माध्यम के छात्रों से सत्र 2019-20 और 2020-21 में वित्तविहीन का छात्र बताकर निर्धारित फीस से अधिक की वसूली की गई थी, जिसे स्कूल फंड में जमा नहीं किया गया और जब रिकार्ड माँगा गया तो फर्जी ऑडिट रिपोर्ट लगाई गई थी। आजमगढ़ कोतवाल ने बताया कि शिब्ली इंटर कालेज के मौजूदा प्रबंधक महफूजुर्रहमान बेग ने शहर कोतवाली में पूर्व प्रबंधक अब्दुल कय्यूम व प्रधानाचार्य निसार अहमद पर मुकदमा दर्ज कराया है। उनकी तहरीर के अनुसार अंग्रेजी के संस्थागत छात्रों के बिना किसी मान्यता के वित्तविहीन का छात्र बनाकर अवैधानिक तरीके से 1 करोड़ 22 लाख रुपए वसूले थे, जो की गलत था। ऐसे में मुकदमा दर्ज कराया गया।

कोतवाल ने बताया कि पुलिस की विवेचना में बात सच साबित हुई जिसके बाद सोमवार को आरोपी पूर्व प्रधानचार्य निसार अहमद को मोहल्ला जालंधरी उनके ससुराल से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में निसार ने बताया कि सत्र 2019-20 और 2020-21 में अंग्रेजी के संस्थागत छात्रों को वित्तविहीन बताकर उनसे अतिरिक्त फीस ली गई थी। इसे स्कूल फंड में जमा नहीं किया गया था। जांच के बाद अधिकारियों ने जब जमा करने के लिए कहा तो जाली दस्तावेज के आधार पर आडिट रिपोर्ट बनवाकर जमा करवाई थी।

शुद्धिकरण यज्ञ के बाद 36 परिवारों ने की घर वापसी

जौनपुर, ग्राम देवी देवता पूजन समिति, संत रविदास धर्म रक्षा समिति सरसरा ने रविवार को बरसठी थानाक्षेत्र में शुद्धिकरण यज्ञ का आयोजन किया। रेलवे स्टेशन के पास इस यज्ञ के माध्यम से घर वापसी का कार्यक्रम कराया गया। इसमें क्षेत्र के 36 परिवारों जिन्होंने 10 वर्ष पहले ईसाई धर्म अपना लिया था। उन्होंने दोबारा घर वापसी करते हुए सनातन धर्म अपना लिया। सभी ने हिन्दू रीती-रिवाज को वैदिक मन्त्रों के बीच आत्मसात किया और घर वापसी की। इस दौरान खंड संघ चालक बरसठी रमापति शास्त्री और और विश्व हिन्दू परिषद् मड़ियांहू के अध्यक्ष विनोद जायसवाल भी मौजूद रहे। बरसठी रेलवे स्टेशन के पास आयोजित कार्यक्रम में यज्ञ हवन का आयोजन किया गया।

मत्स्येष जायसवाल, त्रिलोचन महादेव मंदिर एक प्रधान पुजारी अमन गिरी, पंकज दुबे एवं सूरज मिश्रा, करुणाकर आश्रम भानपुर के महंत करुणाकर के नेतृत्व में हवन का काम हुआ जिसमे बरसठी के 36 परिवार जिन्होंने किन्ही कारणवश दस वर्षों पहले सनातन धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया था। उन्होंने सनातन में अपनी आस्था दोबारा दिखाते हुए घर वापसी की। इस हवन -पूजन में 500 लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान विहिप के जिला उपाध्यक्ष विनोद जायसवाल ने बताया कि

हमारे धर्म के कुछ परिवार के लोग जो दूसरे के पूजा पंडालों में जाते थे आज उनकी घर वापसी हुई है। शुद्धिकरण का कार्यक्रम महंत ओमप्रकाश ने सम्पन्न कराया। इस दौरान मौजूद खंड संघ संचालक बरसठी रमापति शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म ही विश्व में शान्ति की स्थापना कर सकता है। आज अपने भूल-बिछड़े भाइयों का पुनः सनातन धर्म में आते देख में प्रसन्न हो रहा है। वापसी करने वाले परिवारों ने क्षेत्र के जाति-बिरादरी प्रमुख जगदीश के समक्ष बाइबिल क्रास सौंपकर पुनः सनातन धर्म स्वीकार किया है। वहीं विश्व हिन्दू परिषद मड़ियांहू के अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने सभी को गंगाजल और हनुमान चालीसा देकर सनातन धर्म का महत्त्व बताया और उनकी घर वापसी कराई।

एएसआई सर्वे में मिले चिह्न आकृतियां सहित सामान संरक्षित

वाराणसी, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की टीम ने लगातार 90 दिन से अधिक ज्ञानवापी परिसर का साइंटिफिक सर्वे किया। अब इसकी रिपोर्ट बनाई जा रही है जिसे कोर्ट में 17 नवंबर को पेश करना है। इसके पहले जिला जज द्वार दिए गए आदेश के क्रम में एएसआई ने सर्वे में मिली कलाकृतियां, आकृतियां, चिह्न और दरवाजे के टुकड़े सहित 250 से अधिक सामग्रियां डीएम द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल बच्चू सिंह के सुपुर्द कर दी जिसे सोमवार को दोपहर से लेकर रात 10 बजे के बाद तक कोषागार में जमा कराया गया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम था साथ ही पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गए। मीडिया को इसकी कवरेज से दूर रखा गया। कोर्ट के आदेश के अनुक्रम में दोपहर बाद अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल बच्चू सिंह ज्ञानवापी परिसर पहुंचे और एएसआई के अधिकारियों से मुलाकात की। यहां भारी फोर्स के साथ पहुंचे अधिकारी ने लिखा पढ़ी के साथ एएसआई सभी चिह्न और आकृतियां सुपुर्दगी में ली और फिर कलक्ट्रेट कोषागार पहुंचे। यहां सभी वस्तुएं पहले सभागार में रखीं गईं फिर एक-एक करके वीडियोग्राफी के साथ उन्हें कोषागार के डबल लॉकर रूम में संरक्षित किया गया। यह करवाई रात 10 बजे के बाद तक चलती रही। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल को जमा कराए गए सामानों की सूची उपब्ध कराई गए जिसे बाद में एक कॉपी जिला जज अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत

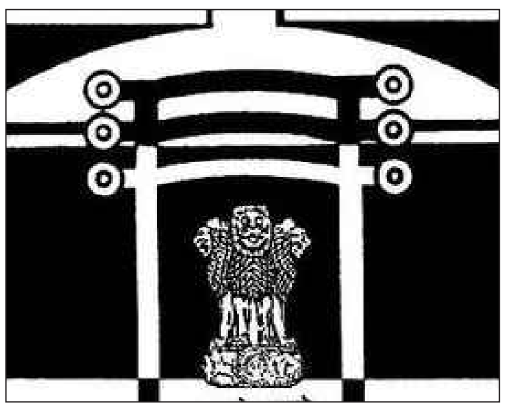

में जमा कराई गई और डीएम को भी सौंपी गई। जिला जज के आदेश पर जिलाधिकारी इन संरक्षित वस्तुओं को कोर्ट में पेश करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डीएम एस राजलिंगम ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में सर्वे के दौरान मिली सामाग्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोषागार में रखवा दिया गया है। कोर्ट के आदेश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। श्रृंगार गौरी मूल वाद की वादी राखी सिंह ने जिला जज की अदालत में एक प्रार्थना पत्र डालकर यह विनती की थी कि सर्वे के दौरान जो भी वस्तु, धार्मिक चिह्न और कलाकृतियां मिल रहीं हैं। उन्हें संरक्षित किया जाए ताकि मुकदमें में उनकी मदद ली जा सके। इसके लिए जिलाधिकारी को अधिकारी नामित कर उनकी सुपुर्दगी में सामान देने की मांग की गई थी। इसपर 14 सितंबर 2023 को जिला जज की अदालत ने इस मामले में वादी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए, जिलाधिकारी को चिह्नों को संरक्षित करने का निर्देश दिया था.

जयंत चौधरी ने भाजपा पर बोला हमला

सम्भल, किसान कमेरा सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के अंदर भाजपा एक माहौल बना रही है। इसे तोड़ने का काम देश की जनता का है। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी बेहतर तमाम ऐसे नेता हैं। जो उनसे भी अच्छे ढंग से देश चला सकते हैं। बताएं कि हजरत नगर गढ़ी में राष्ट्रीय लोकदल के तत्वाधान में आयोजित किसान कमेरा सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के अंदर भाजपा एक माहौल बना रही है। इसे तोड़ने का काम देश की जनता का है। समाजवादी पार्टी के लगातार कांग्रेस पर हमलावर होने को लेकर उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के बीच जो विवाद है वह मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर है। जबकि गठबंधन देश स्तर का है। इसका उससे कोई मतलब नहीं है। प्रधानमंत्री के नाम पर गठबंधन में सहमति के सवाल पर बोले कि अभी यह सेकेंडरी चीज है। प्राथमिक स्तर पर गठबंधन देश के विभिन्न समस्याओं को लेकर एकमत हो रहा है। जिसके आधार पर वह चुनाव मैदान में उतरेगा। आज विपक्षी दल को चाहिए कि एक होकर भाजपा को रोकने का काम करें।

अष्टलक्ष्मी मंदिर में देवी लक्ष्मी के 8 रूपों की होती है पूजा

दक्षिण भारत मंदिरों का गढ़ माना जाता है। यहां कई देवी-देवताओं का के मंदिर हैं, जो दुनियाभर में प्रसिद्ध भी हैं। यहां मंदिरों की भव्यता और उनका निर्माण यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। बात करें कि चेन्नई के अष्टलक्ष्मी मंदिर की तो यह खूबसूरत होने के साथ-साथ देवी लक्ष्मी के प्रमुख मंदिरों में से एक है। इस मंदिर मेंदेवी लक्ष्मी के आठ रूपों की पूजा की जाती है। शौर्य, शक्ति और धन की देवी लक्ष्मी की पूजा करने के लिए लोग इस मंदिर में दूर-दूर से आते हैं। यही नहीं दीवाली के मौके पर यहां अक्सर यात्रियों को भीड़ लगी रहती है। आपदिवाली के मौके पर कहीं घूमने की प्लानिंग कर रही हैं तो अष्टलक्ष्मी मंदिर आ सकती हैं। चेन्नई पहुंचने के बाद इस मंदिर तक आप आसानी से पहुंच सकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मंदिर को लेकरऐसी मान्यताएं हैं कि यहां दर्शन करने से श्रद्धालुओं को धन, विद्या, शौर्य और सुख की प्राप्ति होती है। वहीं अन्य दक्षिण मंदिरों की तरह यह मंदिर भी विशाल गुंबद वाला है। यह मंदिर बसंत नगर के समुद्र तट पर स्थित है। मंदिर निर्माण 4 तले में किया गया है, जिसमें देवी लक्ष्मी की अलग-अलग प्रतिमाएं स्थापित हैं। मंदिर के दूसरे तले पर देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है, इसके बाद तीसरे तले पर रखी गई प्रतिमाओं की पूजा होती है। शुरुआत में महिलाएं तेल से पूजा करती हैं। महिलाएं दीया जलाती हैं और माता की आरती उतारती हैं। देवी लक्ष्मी में खास श्रद्धा रखती हैं तो इस मंदिर में एक बार जरूर जाए। वहीं मंदिर समुद्र तट पर स्थित होने की वजह से यह काफी खूबसूरत भी दिखता है। इस मंदिर में रखी प्रतिमाओं की खासियत है कि वह घड़ी की सुइयों की दिशा में आगे बढ़ने पर दिखाई देते हैं। इसके अलावा इस मंदिर में भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की साथ में भी प्रतिमाएं रखी गई हैं। लोग अपनी दांपत्य जीवन सुखी बनाने के

लिए यहां प्रार्थना करने आते हैं। इस मंदिर में आने वाले लोग कमल का फूल चढ़ाते हैं। वहीं इस मंदिर को श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती स्वामिगल की इच्छा से तैयार किया गया था। मंदिर का निर्माण साल 1976 में किया गया था। 65 फीट लंबा और 45 फीट चौड़ा मंदिर की वास्तुकला उथिरामेरुर में सुंधराजा पेरुमल मंदिर से ली गई है। मंदिर में कुल 32 कलशों का नवनिर्मित किया है। बता दें कि मंदिर के गर्भगृह के ऊपर 5.5 फीट ऊंचा गोल्ड प्लेटेड कलश भी नवनिर्मित किया गया है। चेन्नई के मशहूर मंदिरों में से एक है अष्टलक्ष्मी मंदिर। स्थानीय लोग यहां रोजाना पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। अष्टलक्ष्मी मंदिर पहुंचने के लिए आपको चेन्नई आना होगा। चेन्नई पहुंचने के लिए आपको हवाई जहाज और ट्रेन दोनों सुविधाएं मिल जाएंगी। वहीं चेन्नई रेलवे स्टेशन से आपको अष्ट लक्ष्मी मंदिर पहुंचने में कम से कम एक घंटा लग सकता है। अष्टलक्ष्मी मंदिर पहुंचने के लिए आपको ऑटो,बस और कैब आसानी से मिल जाएंगे।आप अष्ट लक्ष्मी मंदिर दर्शन के लिए आ रही हैं और आपके पास समय है तो ट्रेन बेहतर विकल्प है।

मां शारदा शक्तिपीठ

जहां पुजारी से पहले चढ़ा जाता है कोई फूल

पौराणिक मान्यता के अनुसार सती के अंग जहां-जहां पर गिरे थे, वहां-वहां पर एक शक्तिपीठ स्थापित हो गया. ऐसे ही 51 शक्तिपीठों में एक मां शारदा का पावन धाम मध्य प्रदेश के मैहर में त्रिकूट पर्वत की ऊंची चोटी पर है, जिसके बारे में मान्यता है कि यहां पर सती का हार गिरा था. माता यहां पर भव्य और सुंदर भवन में विराजमान हैं. पहाड़ की चोटी पर स्थित मैहर देवी का यह मंदिर अपने चमत्कारों के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है. मान्यता है कि मैहर वाली मां शारदा के महज दर्शन मात्र से ही भक्तों के सभी दुःख दूर हो जाते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. शारदा माता मंदिर के बारे में लोगों की मान्यता है कि इस मंदिर के पट बंद हो जाने के बाद जब पुजारी पहाड़ से नीचे चले आते हैं और वहां पर कोई भी नहीं रह जाता है तो वहां पर आज भी दो वीर योद्धा आल्हा और उदल अदृश्य होकर माता की पूजा करने के लिए आते हैं और पुजारी के पहले ही मंदिर में पूजा करके चले जाते हैं. मान्यता है कि आल्हा-उदल ने ही कभी घने जंगलों वाले इस पर्वत पर मां शारदा के इस पावन धाम की न सिर्फ खोज की, बल्कि 12 साल तक लगातार तपस्या करके माता से अमरत्व का वरदान प्राप्त किया था. मान्यता यह भी है कि इन दोनों भाइयों ने माता को प्रसन्न करने के लिए भक्ति-भाव से अपनी जीभ शारदा को अर्पण कर दी थी, जिसे मां शारदा ने उसी क्षण वापस कर दिया था. सनातन परंपरा में मां शारदा को विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी के रूप में पूजा जाता है. परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्र मां शारदा

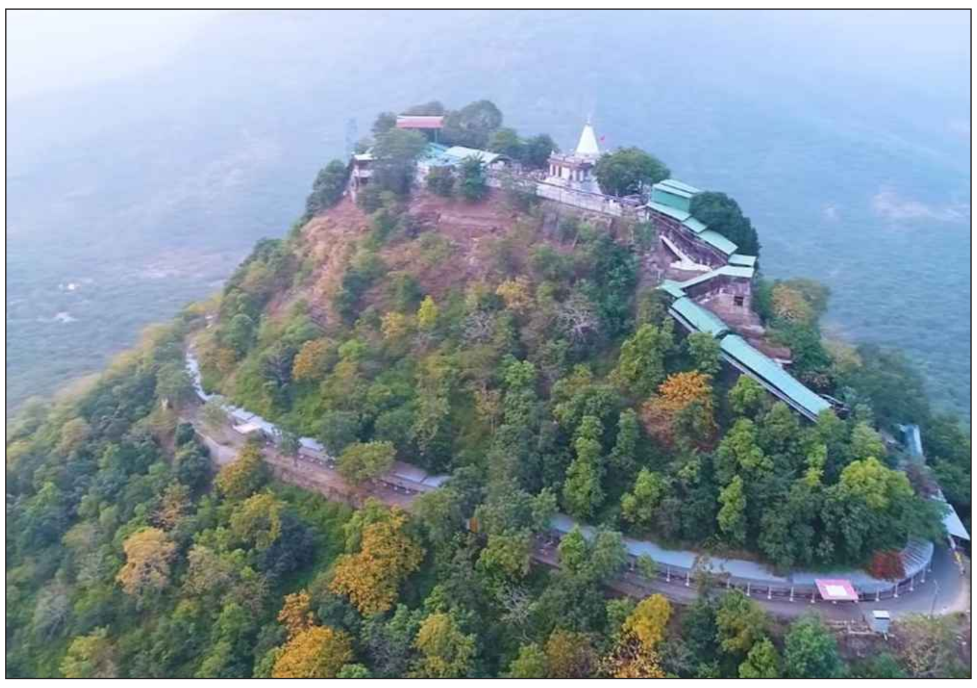

का विशेष आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में यहां पर पहुंचते हैं. मां शारदा की सच्चे मन से पूजा करने वाले साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उसकी कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती. मां शारदा की कृपा से वह हमेशा तमाम प्रकार के भय, रोग आदि तमाम प्रकार की व्याधियों से भी बचा रहता है. लगभग 600 फुट की ऊंचाई वाले इस शक्तिपीठ में माता के दर्शन करने के लिए भक्तों को मंदिर की 1001 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं. हालांकि आप चाहें तो रोपवे से भी वहां पर आसानी से पहुंच सकते हैं. यहां की मान्यता है कि सती के अंग जहां-जहां पर गिरे थे, वहां-वहां पर एक शक्तिपीठ स्थापित हो गया, ऐसे ही 51 शक्तिपीठों में 1 मां शारदा का पावन धाम सतना जिले के मैहर में त्रिकूट पर्वत की ऊंची चोटी पर है, जिसके बारे में मान्यता है कि यहां पर सती का हार गिरा था।

धन की देवी ही नहीं!

इस देवता के भी जरूरी हैं दर्शन

सनातन धर्म में पूजा-पाठ को बहुत महत्व दिया गया है. पूजा-पाठ करने से देवी देवताओं की कृपा हम पर और हमारे परिवार पर बनती है. कई बार देखा जाता है कि लाख कोशिशों के बावजूद भी आप के सभी कामों पर पानी फिर जाता है और आप कंगाली के गर्त में गोते लगाने लगते हैं. ज्यादातर लोग को लगता है कि हिंदू धर्म में धन की देवी माता लक्ष्मी का आशीर्वाद ही सभी परेशानियों से मुक्त कर सकता है लेकिन आपको बता दें कि हिंदू धर्म में धन के देवता भी हैं. इस देवता का आशीर्वाद मिलने के बाद जिंदगी से कंगाली का नामोनिशान मिट जाता है. हिंदू धर्म में कुबेर देवता को धन का देवता कहा जाता है. शास्त्रों के जानकार बताते हैं कि जिस पर कुबेर देवता की कृपा होती है, वह फकीर भी रातों-रात राजा बन जाता है. आपको ज्यादातर जगहों पर कुबेर देवता के मंदिर नहीं मिलेंगे लेकिन यहां एक ऐसे मंदिर का जिक्र किया गया है, जहां पर अगर आपने माथा टेक लिया तो किस्मत से कंगाली का नामोनिशान खत्म हो जाएगा. कंगाली के गर्त में गोते लगा रहे लोगों को एक बार जरूर कुबेर देवता के इस मंदिर में दर्शन करना चाहिए. भगवान कुबेर के इस प्राचीन मंदिर का नाम है कुबेर भंडारी मंदिर. इसके बारे में कहा जाता है कि जिसने भी यहां पर एक बार दर्शन कर लिया वह कभी भी खाली हाथ नहीं लौटता है. भगवान कुबेर का फेमस मंदिर गुजरात के वडोदरा शहर में है, जहां दर्शन करने के लिए कम से कम एक बार हर किसी को जरूर जाना चाहिए. सनातन धर्म में कुबेर देवता को धनेश के नाम से भी पुकारा जाता है. धनेश लोकपाल यानी संसार के रक्षक भी हैं और कुबेर देवता को यक्षों का राजा भी कहा जाता है. इसके अलावा कुबेर देव उत्तर दिशा के दिग्पाल है. धर्मों के जानकार बताते हैं कि कुबेर देवता भगवान शिव के द्वारपाल भी हैं. दीपोत्सव के चार दिनों में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्यों से 10 लाख से ज्यादा भक्त यहां आएंगे। इनकी सुविधा के लिए करीब 500 लोग तैनात हैं। छोटे से गांव की 40 बीघा जमीन पर पार्किंग की व्यवस्था है। वैसे दीपावली के अलावा भी यहां हर अमावस्या पांच लाख श्रद्धालु पहुंचते ही हैं। एक लाख निःशुल्क भोजन भी करते हैं। मान्यता है कि जब सौतेले भाई रावण ने कुबेर से राज गद्दी छीनी तब नारद मुनि ने उन्हें करनाली जाकर तप करने की सलाह दी। तब

कुबेर ने भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए यहां नर्मदा तट पर कठिन तपस्या की थी। प्रसन्न होकर शिवजी ने कुबेर को देवों के खजांची का पद सौंपा था। भगवान शिव ने कुबेर भंडारी का नाम लिया जिसमें कुबेर धन के देवता कुबेर से लिया गया है और भंडारी का अर्थ भंडार है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि एक अन्य किंवदंती के अनुसार, रावण ने कुबेर की संपत्ति हड़प ली थी और उसका बेशकीमती पुष्पक विमान जब्त कर उसे लंका से भगा दिया था। नारद देवर्षि ने उन्हें करनाली जाकर नर्मदा नदी के तट पर तपस्या करने की सलाह दी। कुबेर ने भगवान शिव की शरण ली जिन्होंने उन्हें देवी माँ का आशीर्वाद लेने के लिए कहा। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी माँ ने उन्हें इस आश्वासन के साथ यह क्षेत्र शासन करने के लिए दिया कि रावण कभी भी इसमें प्रवेश नहीं कर पाएगा। ऐसा कहा जाता है कि यह मंदिर त्रेता युग से अस्तित्व में है और इसका नाम कुबेर और भगवान महादेव दोनों के नाम पर रखा गया है। स्थानीय लोग इस मंदिर को कुबेरेश्वर महादेव कहते हैं और कहते हैं कि यह लगभग ढाई हजार साल पुराना है। धनतेरस से चार दिनों तक प्रतिदिन महादेव को अलग-अलग भोग लगाया जाता है जिसमें छप्पन प्रकार की सामग्रियां शामिल होती हैं। सुबह और शाम की आरती देखने लायक होती है! भक्तों को स्वयं भगवान को फूल, दूध और जल चढ़ाने की अनुमति है। पुजारी का कहना है कि भगवान शिव के दर्शन करने के बाद निःसंतान दंपत्तियों को संतान का आशीर्वाद मिलेगा।

51 शक्तिपीठों में से एक है कोलकाता का कालीघाट मंदिर

मां के दर्शनमात्र से पूरी हो जाती हैं मन्नतें

कोलकाता में कई प्राचीन मंदिर स्थित हैं. यहां के मंदिरों में भक्तों की असीम आस्था है. देश ही नहीं विदेश से भी लोग इन मंदिरों में दर्शनार्थ के लिए आते हैं. कोलकाता का ऐसा ही एक प्रसिद्ध मंदिर है काली मंदिर, इसे कालीघाट के नाम से भी जाना जाता है. 51 शक्तिपीठों में से एक कालीघाट मंदिर को भारत का सबसे सिद्ध काली मंदिर कहा जाता है. इस शक्तिपीठ में स्थित प्रतिमा की प्रतिष्ठा कामदेव ब्रह्मचारी ने की थी. इस मंदिर की भक्तों के बीच काफी महत्वता है. हर साल बड़ी संख्या में देवी के भक्त मंदिर में दर्शनों के लिए आते हैं. 51 शक्तिपीठों में से एक है कालीघाट मंदिर- पौराणिक कथाओं के अनुसार कोलकाता के कालीघाट मंदिर में माता सती के दाहिने पैर का अंगूठा गिरा था तब से ही इसे शक्तिपीठ कहा जाने लगा. गौरतलब है कि शक्तिपीठ वे स्थान हैं जहां माता सती की मृत देह के अंग गिरे थे. ये पवित्र स्थान भारत ही नहीं बांग्लादेश व नेपाल में भी स्थित हैं. कोलकाता में कालीघाट मंदिर का निर्माण सन् 1809 में हुआ था. इस मंदिर को शहर के सबर्ण रॉय चौधरी नाम के धनी व्यापारी के सहयोग से पूरा किया गया था. वहीं कालीघाट मंदिर में गुप्त वंश के कुछ सिक्के भी मिले थे जिसके बाद ये पता चला कि गुप्त काल के दौरान भी इस मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता था.

कालीघाट मंदिर में देवी की अद्भुत प्रतिमा स्थापित है- कोलकाता के कालीघाट मंदिर में देवी काली की प्रचण्ड रूप की प्रतिमा स्थापित है. इस प्रतिमा में देवी काली भगवान शिव की छाती पर पैर रखे नजर आ रही हैं और उनके गले में नरमुंडों की माला है. उनके हाथ में कुछ कुल्हाड़ी और कुछ नरमुंड हैं, कमर में कुछ नरमुंड भी बंधे हुए हैं. उनकी जीभी बाहर निकली हुई है और जीभ से कुछ रक्त की बूंदें टपक रह हैं. गौरतलब है कि प्रतिमा में मां काली की जीभ स्वर्ण से बनी हुई है.

पहले भागीरथी के किनारे था कालीघाट मंदिर- कोलकाता का कालीघाट मंदिर पहले हुगली नदी (भागीरथी) के किनारे स्थित हुआ करता था लेकिन समय के साथ भागीरथी दूर होती चली गई और अब कालीघाट मंदिर आदिगंगा नहर के किनारे स्थित है तो अंततः हुगली नदी से जाकर मिलती है.

कालीघाट मंदिर तक कैसे पहुंचे?

कोलकाता के कालीघाट मंदिर तक हवाई रास्ते या ट्रेन

के रास्ते से पहुंचा जा सकता है. गौरतलब है कि कालीघाट मंदिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की दूरी लगभग 25 किलोमीटर (किमी) है. प्रसिद्ध हावड़ा जंक्शन, कालीघाट मंदिर से महज 10 किमी दूर है. कोलकाता आने के बाद मंदिर तक आसानी से पहुंचा जा सकता है. मोनोशा ताल, जोर बांग्ला, नट मंदिर, हरकथ ताल और राधा कृष्ण मंदिर भी कालीघाट मंदिर का ही हिस्सा हैं। मंदिर परिसर में ही कुंडुपुकुर स्थित है, जो एक जलकुंड है। माता सती का दाहिना अँगूठा इसी कुंड में से मिला था। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित माँ काली की प्रतिमा अद्भुत और अद्वितीय है। इस प्रतिमा का निर्माण दो संतों आत्माराम ब्रह्मचारी और ब्रह्मानंद गिरी ने किया था। पत्थर को तराश कर बनाई गई इस माँ काली की इस प्रतिमा की तीन बड़ी आँखें हैं, साथ ही चार स्वर्ण भुजाएँ भी हैं। इसके अलावा माँ काली के हमेशा से पूज्य स्वरूप के अनुसार प्रतिमा की जीभ भी बाहर निकली हुई है, जो सोने की है। पश्चिम बंगाल, प्रसिद्ध दुर्गा पूजा उत्सव के लिए जाना जाता है। कालीघाट मंदिर में भी यह उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि में इस मंदिर का महत्व बढ़ जाता है। देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु नवरात्रि के दौरान घंटों लाइनों में व्यतीत करते हैं ताकि माँ काली का दर्शन कर सकें। मंगलवार और शनिवार के साथ अष्टमी को कालीघाट मंदिर में विशेष पूजा की जाती है। यह वह जगह है जहाँ आपको तीन आँखों, कई भुजाओं और उभरी हुई सोने की जीभ वाली काले पत्थर में उकेरी गई देवी की एक विशाल मूर्ति मिलेगी। देवी काली का आशीर्वाद लेने के लिए कई तीर्थयात्री इस पवित्र स्थान पर जाते हैं।ऐसी मान्यता है कि कालीघाट में मां सती के दाहिने पांव की चार अंगुलियां गिरी थीं। पुराणों में काली को शक्ति का रौद्रावतार माना जाता है और प्रतिमा या तस्वीरों में देवी को विकराल काले रूप में गले में मुंडमाला और कमर में कटे हाथों का घाघरा पहने, एक हाथ में रक्त से सना खड्ग और दूसरे में खप्पर धारण किए, लेटे हुए भगवान शंकर पर खड़ी जीह्वा निकाले दर्शाया जाता है। लेकिन, कालीघाट मंदिर में देवी की प्रतिमा में मां काली का मस्तक और चार हाथ नजर आते हैं। यह प्रतिमा एक चौकोर काले पत्थर को तराश कर तैयार की गई है। यहां लाल वस्त्र से ढकी मां काली की जीभ काफी लंबी है जो सोने की बनी हुई है और बाहर निकली हुई है। दांत सोने के हैं। आंखें तथा सिर गेरूआ सिंदूर के रंग से बना है और माथे पर तिलक भी गेरूआ सिंदूर का है। प्रतिमा के हाथ स्वर्ण आभूषणों और गला लाल पुष्प की माला से सुसज्जित है। श्रद्धालुओं को प्रसाद के साथ सिंदूर का चोला दिया जाता है।

जगन्नाथ पुरी मंदिर से जुड़ी बातें जो सैकड़ों साल से बनी हुई हैं रहस्य!

ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण को धरती के बैकुंठ स्वरूप में माना जाता है. माना जाता है कि पुरी का ये पौराणिक मंदिर काफी पुराना है. हिन्दू धार्मिक मान्यताओं में आपको चार धामों की यात्रा शब्द कही बार सुनने में आया होगा. आज हम हिन्दू धर्म के वर्णित चार धामों में से एक जगन्नाथ पुरी के बारे में आपको विस्तार से बताएँगे. जगन्नाथ मंदिर उड़ीसा राज्य के एक स्थान पुरी में स्थित हैं. यह धाम भगवान जगन्नाथ यानि भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित हैं. जगन्नाथ उड़ीसा राज्य के समुद्री तट के नजदीक बसा हुआ हैं. इससे भुवनेश्वर कुछ ही दूरी पर हैं. इस मंदिर से, हर वर्ष मंदिर के मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भ्राता बलभद्र और भगिनी सुभद्रा के विशाल रथों की शोभा यात्रा निकाली जाती हैं. इस दिन भगवान मंदिर से निकलकर नगर का भ्रमण करते हैं. पुराणों में इसे धरती का वैकुंठ कहा गया है. यह भगवान विष्णु के चार धामों में से एक है. इसे श्रीक्षेत्र, श्रीपुरुषोत्तम क्षेत्र, शाक क्षेत्र, नीलांचल, नीलगिरि और श्री जगन्नाथ पुरी भी कहते हैं. पुरी स्थान पर होने के कारण पूरे क्षेत्र को जगन्नाथ पुरी कहा जाता हैं. जगन्नाथ भगवान कृष्ण का ही एक नाम हैं जो कि दो शब्द जगन और नाथ से मिलकर बना हैं जिसका अर्थ होता हैं जग का स्वामी. इस मंदिर से जुड़ा इतिहास काफी हैरान कर देने वाला है. धार्मिक मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर की मूर्तियों में आज भी भगवान श्रीकृष्ण का दिल धड़कता है. सनातन परंपरा में जगन्नाथ मंदिर को वैष्णव परंपरा का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान माना जाता है. आस्था के इस धाम पर प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों की संख्या में तीर्थयात्री भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. पुरी का यह मंदिर भगवान ?कृष्ण को समर्पित है, लेकिन वहां पर उन्हें जगन्नाथ धाम के नाम से जाना जाता है. हिंदू धर्म से जुड़े चार प्रमुख तीर्थ में से एक पुरी के इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ के साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्ति के दर्शन होते हैं. मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद पकाने के लिए 7 बर्तनों को एक के ऊपर एक क्रम में रखा जाता है, जिसमें सबसे ऊपर रखे बर्तन का प्रसाद सबसे पहले पकता है, जबकि, नीचे की तरफ से एक के बाद एक प्रसाद पकता जाता है. जोकि अपने आप में हैरान कर देने वाला है. मान्यता है कि मंदिर में दिन के समय हवा समुद्र से जमीन की ओर चलती है.
जबकि शाम के समय हवा जमीन से समुद्र की ओर चलती है. जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर लगा झंडा हमेशा हवा के विपरीत लहराता है. मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर की ऊंचाई करीब 214 फीट है. ऐसे में पशु पक्षियों की परछाई तो बननी चाहिए, मगर इस मंदिर के शिखर की छाया हमेशा गायब ही रहती है. पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर के ऊपर से न ही कभी कोई हवाई जहाज उड़ता है और न ही कोई पक्षी मंदिर के शिखर पर बैठता है. ऐसा भारत के किसी भी मंदिर में नहीं देखा गया है. मंदिर में हर 12 साल के भीतर भगवान जगन्नाथ समेत तीनों मूर्तियों को बदला जाता है. जिसके बाद वहां पर नई मूर्तियां स्थापित की जाती हैं. भगवान की मूर्तियों को बदलते समय शहर की बिजली को काट दिया जाता है. इसके साथ ही मंदिर के बाहर भारी सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया जाता है. उस दौरान सिर्फ पुजारी को ही मंदिर में जाने की परमिशन होती है.इस मंदिर का प्रथम बार जीर्णोद्धार 10 सदी में कलिंग के गंग साम्राज्य के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव ने करवाया था. अन्वेषित ताम्र पत्रों से ज्ञात हुआ कि मंदिर के जगमोहन और विमान भाग का निर्माण राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव के शासनकाल के दौरान ही हुआ. उनके बाद अनंग भीम देव ने इस मंदिर को वह स्वरुप दिया जो कि आज है.जगन्नाथ पुरी का यह मंदिर 3 बार टूट चूका हैं और तीनों बार इसका जीर्णोद्धार करके मूर्तियों की पुनः स्थापना करायी गयी. इस मंदिर के आसपास कुल 30 छोटे-मोटे मंदिर स्थापित हैं.

निर्मल नगर पुलिस स्टेशन अन्तर्गत खुला मटका जुगार !

जुगार माफियाओं से साँठ गाँठ करके मुख्यमंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश को कूड़ेदान में डालती निर्मल नगर पुलिस ?

खार पूर्व, राज्य में तो भ्रष्टाचार चरम पर है, यहां का शासन प्रशासन इतना करप्ट है कि मौत के सौदागरों से भी हप्ता लेकर आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में झटपट लाटरी, मटका जुगार व अवैध ड्रग्स कारोबार पर रोक लगा रखी है, परंतु शासन प्रशासन के आंख के नीचे अवैध कारोबारी एवं जुगार माफिया सक्रिय हैं, वही द रेड स्टार न्यूज़ पेपर द्वारा बार बार खबर प्रकाशित करने के बावजूद लगता है कि महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस तथा संबंधित अधिकारी जुगार माफियाओ के आगे नतमस्तक हो गये है। महाराष्ट्र के हर जिले व शहर में मटका जुगार व अवैध कारोबार का ही बोलबाला है। यहाँ बताते चले कि अवैध कारोबारियों एवं जुगार माफियाओ की इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो लोगों की जिंदगियों से भी खिलवाड़ करने में नहीं हिचकते? महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहे जितना भी भ्रष्टाचार पर भाषण देते रहे परंतु इनके भाषण पर प्रशानिक अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। जहां प्रदेश के हर कोने में अवैध धंधे व जुगार माफियाओं की भरमार है, इसी तरह स्थानीय रहिवाशियो द्वारा खबर मिली है कि परिमंडल 08 के निर्मल नगर पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के अलग अलग परिसर में सुरेश पालखी द्वारा खार रेलवे ब्रिज के सामने की गली में, विट्ठल अन्ना द्वारा बहराम पाइप लाइन के अन्दर सीबू बार के पिछे एवं उमेश अन्ना द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन से कुछ मीटर की दुरी पर मच्छी मार्किट के पास मटका जुगार बोंल-गेम, शोरट, तितली-कबूतर, जन्ना-मन्ना, चक्री, अन्दर बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा, मेंन स्टार-लाइन एवं 20-25 राइटरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जुगार का व्यवसाय स्थानीय गुंडों, मवालियों व शराबियो के जमावड़ो को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गुमराह करके देर रात तक जुगार चलाया जा रहा है? उक्त मामले में स्थानीय रहिवाशियो व शिकायतकर्ताओं ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि जुगार के उक्त रैकेट को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल व क्राइम ब्रांच से संयुक्त जाँच कराकर एवं जुगार चलाने वाले सभी जुगार माफियाओं को तड़ीपार कर क्षेत्र में अमन शांति कायम करने में समाजसेवी संस्थाओं एवं रहिवासियों की मदत करें ..

जुगार माफियाओं का अड्डा बना आरे कालोनी !

मरोल सिक्योरिटी चेक-पोस्ट पर रिटायर्ड पुलिसकर्मी संतोष पवार का चल रहा मटका जुगार?

PRESS
द रेड स्टार न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक
09, Vibhaco Building, Mamletdar Wadi, Liberty Garden Road, Malad (West), Mumbai - 400 064.
दिनांक : 11/09/2022
सेवामें..
मा. पुलिस आयुक्त
मुंबई पुलिस आयुक्तालय,
क्राफर्ड मार्किट, मुंबई शहर, मुंबई,
विषय : आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में जुगार माफिया पवार बंधू द्वारा आरे कालोनी बाउंड्रीवाल मरोल सिक्यूरिटी चेकपोस्ट के आस पास परिसर में चलाये जा रहे मटका जुगार अड्डे पर कार्यवाही के सन्दर्भ में.
महोदय ..
धन्यवाद...
प्रति सवाना ....

गोरेगांव पूर्व। मुंबई पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि मुंबई शहर मे आरे कालोनी आदिवासी पाड़ा व आरे मिल्क डेरी के रूप मे जाना जाता है साथ मे पर्यावरण के मामले पश्चिम उपनगरीय का हब माना जाता है। वही कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। ज्ञात हो कि अवैध जुगार धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में प्रकाशित न्यूज के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद मुंबई शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के मरोल चेक पोस्ट पर वड़ा पाव और चाय की हाथगाड़ी के पीछे आरे बाउंड्री दिवाल के पास स्थानीय पुलिस की नाक पर रिटायर पुलिसकर्मी (स्थानीय पुलिस कॉलोनी का रहिवासी) एवं जुगार माफिया व पुलिसकर्मी संतोष पवार द्वारा बड़े पैमाने मटका जुगार चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल एवं व्हाट्सप्प द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, पुलिस महासंचालक, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह, मुख्य सचिव, गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है.? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

जुगार माफियाओं और अवैध धंधों का गढ़ बना ठाणे शहर !

वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन की हद में जुआघरों की भरमार !

तीन हाथ नाका बस स्टैंड के पिछे चल रहा विकास झाड़े का मटका जुगार ..

वागले इस्टेट ठाणे, ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया विकास झाड़े एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा वागले पुलिस स्टेशन अंतर्गत ठाणे पश्चिम वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे व एलबीएस मार्ग जंक्शन, तीन हाथ नाका इंटरनिटी माल रिक्षा स्टेण्ड के पास, वेस्ट बस केबिन के पीछे मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया विकास झाड़े द्वारा मटका जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। उक्त जुगार एड्डे में ग्राहकों के साथ लड़ाई झगड़े व तू-तू मै-मै भी होते रहते है। स्थानीय वागले पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

अमरसिंह जाधव
पुलिस उप आयुक्त (परिमंडळ-5)

पढ़े अगले अंक में ...
कासर बड़वली पुलिस स्टेशन अंतर्गत पातलीपाड़ा परिसर में हिस्ट्री-शीटर एवं जुगार माफिया मन्नू तिवारी द्वारा मटका जुगार का खेल. परिमंडल-5 पुलिस उपायुक्त टीम द्वारा पिछले सप्ताह छापामारी के पश्चात जुगार अड्डा फिर से बड़े पैमाने पर चल रहा है.
जुगार अड्डे का संचालक एवं संरक्षक पुलिस अधिकारियों के नाम एवं नंबर के साथ खुलासा...

भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

बार बार शिकायतों के बावजूद संबंधित पुलिस द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

भिवंडी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा निजामपूरा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में खाड़ीपार रोड पर गारवा ढाबा (खड्डा कंपाउंड) के पास राम चन्द्र भावर्ते की जगह पर उमेश चौहान व अनवर लंगडा द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

अगर दिख जाएं ये जीव तो समझिए और भी शुभ होने वाली है आपकी दिवाली

इस साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 12 नवंबर, रविवार के दिन पड़ रही है। ऐसे में इसी दिन दिवाली का पर्व मनाया जाएगा। ऐसा माना जाता है कि इस दिन पर मां लक्ष्मी का पृथ्वी पर आगमन होता है और जो साधक श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना करता है देवी मां उसके घर में वास करती हैं। साथ ही दिवाली पर मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने पर कुछ खास संकेत दिखाई देते हैं। वैसे आमतौर पर छिपकली ज्यादातर घरों में पाई, लेकिन इसका दीपावली की रात गणेश-लक्ष्मी पूजन के बाद दिखना बहुत ही शुभ माना जाता है। शकुन शास्त्र में माना गया है कि दिवाली के दिन छिपकली दिखने का अर्थ है कि आपके घर मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है। वहीं अगर आपको दिवाली की रात उल्लू दिखाई देता है तो इसका अर्थ है कि देवी लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं। शकुन शास्त्र में घर में बिल्ली का आना बहुत ही शुभ बताया गया है। ऐसे में यदि दिवाली के विशेष अवसर पर आपको बिल्ली दिखाई देती है तो यह और भी शुभ माना जाता है। क्योंकि इसे लक्ष्मी जी के आने का संकेत माना गया है और इससे व्यक्ति के धन लाभ के योग बनते हैं। इसके साथ ही दिवाली पर छछूंदर का भी दिखाई देना साधक के लिए शुभ माना गया है। दिवाली के दिन घर में काली चींटी देखना भी एक शुभ घटना की ओर इशारा करता है। अगर आपके घर में जहां सोने की चीजें रखी हुई हैं, उस स्थान पर काली चीटियां दिखाई देती हैं तो इसका मतलब है कि आपकी धन-दौलत में वृद्धि होने वाली है। वहीं, अगर आपको अपने घर की छत से चीटियां निकलती हुई दिखाई दें तो यह भी शुभ संकेत है। इसका अर्थ है कि आपके आकस्मिक धन लाभ के योग बन सकते हैं।

वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा में रखें ये चीजें कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

कुल 4 दिशाएं उत्तर, पश्चिम, पूरब और दक्षिण प्रमुख है। सभी दिशाओं की कुछ-न-कुछ विशेषता भी होती है। उसी प्रकार वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा का विशेष महत्व है। आज हम आपको वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा का महत्व बताने जा रहे हैं। उत्तर दिशा को वास्तु शास्त्र में बहुत ही शुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार मानी जाती हैं। साथ ही इस दिशा को देवताओं की दिशा भी कहा जाता है। साथ ही इस दिशा में धन के देवता को कुबेर के साथ-साथ धन की देवी लक्ष्मी का भी वास माना गया है।

वास्तु शास्त्र कहता है कि तिजोरी या लॉकर को उत्तर दिशा में रखना चाहिए इससे आपके ऊपर कुबेर देवता और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही इस दिशा में माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करके विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और व्यक्ति को कभी आर्थिक तंगी नहीं गुजरना पड़ता। मनी प्लांट, जैसा किसके नाम से ही प्रतीत होता है। ऐसा माना जाता है कि मनी प्लांट को घर में रखने और उसके फलने-फूलने से धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। साथ ही सनातन धर्म में पवित्र मानी गई तुलसी को भी उत्तर दिशा में ही रखना लाभकारी माना जाता है। वास्तु के अनुसार घर की रसोई भी उत्तर दिशा में ही होनी चाहिए। ऐसा करने से कभी भी अन्न की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। इसके साथ ही उत्तर की दिशा में मौजूद दीवारों पर हल्के नीले रंग का पेंट करवाना चाहिए

सर्दियों में आपको हेल्दी बनाएगी पालक

हल्की ठंडक के साथ जहां सर्दियों में दस्तक दे दी है, तो वहीं मौसम में बदलाव के साथ ही हमारी लाइफस्टाइल में भी बदलाव शुरू हो चुके हैं। बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर हमारे खानपान पर पड़ता है। खाने के लिहाज से सर्दियों का मौसम सबसे अच्छा माना जाता है। इस सीजन में कई तरह की सब्जियां और फल हमारे खाने का स्वाद बढ़ाते हैं। ठंड में अक्सर कई तरह की साग भी आसानी से मिल जाती हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं। पालक इन्हीं हरी पत्तेदार सब्जियों में से एक है। आयरन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर पालक हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसे खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है। हालांकि, इसे एक ही तरह से डाइट में शामिल करना काफी बोरिंग हो जाता है। ऐसे में आप इन 5 तरीकों से पालक को अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर इससे मिलने वाले पोषक तत्वों का लाभ उठा सकते हैं। अगर आप नाश्ते में पालक को शामिल करना चाहते हैं, तो इसका आमलेट बना सकते हैं। इसके लिए अंडे में कुछ कटा हुआ पालक मिलाक इसका स्वादिष्ट आमलेट तैयार कर लें। एक हेल्दी ब्रेकफास्ट के साथ अपने दिन की शुरुआत करने का यह एक आसान और टेस्टी तरीका है। आप पालक को स्मूदी के रूप में भी अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसके लिए सुबह मुट्ठी भर ताजा पालक और अन्य सामग्रियों की मदद से हेल्दी और टेस्टी स्मूदी तैयार करें और इस हेल्दी ड्रिंक से अपने दिन की शुरुआत करें। स्मूदी में पालक मिलाने से इसमें विटामिन और खनिजों की मात्रा बढ़ जाएगी। कुछ ताजी पालक की पत्तियों को अपने सलाद में मिलाकर भी आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप इसे अन्य हरी सब्जियों या अपनी पसंदीदा सब्जियों के साथ मिलाकर खा सकते हैं। आप पालक को सैंडविच या रैप के साथ मिलाकर भी खा सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ ताजी पालक की पत्तियों की परत इसमें मिलानी होगी और फिर स्वाद के साथ ही इसके पोषण में भी बढ़ोतरी हो जाएगी। आप इसे विभिन्न फिलिंग और स्प्रेड के साथ मिलाकर खा सकते हैं। पास्ता खाने के शौकीन हैं, तो इसे बनाते समय सॉस में या पास्ता में ताजी पालक पत्तियां डालकर अपने पास्ता को बेहतर बना सकते हैं। यह आपके पसंदीदा पास्ता में पोषण को बढ़ाने का एक आसान तरीका है।

तनाव से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है मेंटल थेरेपी

मेंटल हेल्थ को लेकर लोगों में अभी भी बहुत झिझक है, इस वजह से लोग इस समस्या से सालों तक जूझते रहते हैं, लेकिन इसके इलाज के बारे में न सोचते हैं और न ही आगे आते हैं, बल्कि अगर समय पर डॉक्टर से कंसल्ट कर लें, तो काफी हद तक मुमकिन है एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसी समस्याओं से निपटना। मेंटल थेरेपी इसमें काफी मददगार है। डॉक्टर्स के अलावा अब सोशल मीडिया पर कई पेज और साइट्स भी अवेलेबल हैं, जिसकी हेल्प से आप मेंटली हेल्दी और हैप्पी बने रह सकते हैं। बहुत लंबे समय से अपनी परेशानी को नजरअंदाज कर रहे हैं, तो पूरे-पूरे चांसेज हैं कि आपको साइकिएट्रिस्ट के पास जाना पड़े, लेकिन अगर परेशानी ज्यादा गंभीर नहीं है, तो आप साइकोलॉजिस्ट के पास जाकर भी अपनी प्रॉब्लम का सॉल्यूशन पा सकते हैं। मेंटल थेरेपी में आपको एक्सपर्ट के साथ बातचीत करने का मौका मिलता है। उनके साथ आप अपनी परेशानियों को खुलकर शेयर कर सकते हैं। तनाव, अवसाद से ग्रस्त लोगों को ये थोड़ा अजीब लग सकता है किसी के सामने अपने जिंदगी के सबसे बड़े दुख के बारे में बताना। दरअसल इस थेरेपी में लोगों को यही लगता है कि जिन बातों को हम अपने दोस्तों, फैमिली के साथ शेयर नहीं कर पाते, उसे किसी अंजान शख्स के साथ कैसे शेयर करें, लेकिन यही तो इस थेरेपी का मतलब है। दूसरी तरह से इसे सोचकर खुलकर बात कर सकते हैं, क्योंकि वो आपको जज नहीं करने वाला और यहां तो आपको एक्सपर्ट डील कर रहे हैं। जो सुनने के साथ ही आपको सॉल्यूशन भी देंगे। इस वजह से ये थेरेपी बेहद कारगर मानी जाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि जब आपको अपने दोस्त, फैमिली की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वो उस वक्त अवेलेबल नहीं होते। साथ ही कई बार उस तरह से सपोर्ट भी नहीं मिल पाता, जिसकी जरूरत होती है। इसकी भी संभावना है कि आपकी परेशानियां सुनकर उनका मेंटल हेल्थ खराब हो जाए खासतौर से अगर कोई आपका बेहद करीबी है तो, ऐसे में थेरेपिस्ट ही आपके सबसे अच्छे साथी साबित हो सकते हैं। तो बेझिझक होकर इनकी मदद लें।

धनतेरस से जुड़ी पौराणिक कथा महत्व और रीति-रिवाज

धनतेरस त्योहार भारत में हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। भारत में कई प्रकार के त्यौहार मनाए जाते हैं। यह भारत की संस्कृति है। इसके अतिरिक्त त्यौहार प्यार एवं एकता का प्रतीक भी होता है। दीपावली का त्यौहार 5 दिनों का होता है जिसमें दीपावली के 2 दिन पहले का दिन धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। धनतेरस का दिन भगवान धन्वंतरि एवं मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन मां लक्ष्मी से धन-धान्य की प्रार्थना की जाती है एवं धन्वंतरी भगवान से अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है क्योंकि धवन तृत भगवान देवों के चिकित्सक कहे जाते हैं। भारत में धनतेरस का त्यौहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है और प्रत्येक राज्यों में अलग-अलग रीति-रिवाजों से इस त्यौहार को मनाया जाता है। धनतेरस का त्यौहार धन-धान्य के साथ अच्छे स्वास्थ्य की कामना करने का दिन होता है। धनतेरस का त्यौहार हर साल कार्तिक महीने के कृष्ण त्रयोदशी के दिन मनाया जाता है यह दिन दीपावली के 2 दिन पहले आता है। इस दिन मां लक्ष्मी ,भगवान कुबेर एवं देवों के चिकित्सा कहे जाने वाले धन्वंतरि भगवान की पूजा अर्चना की जाती है। मां लक्ष्मी धन और समृद्धि की देवी हैं इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करके घर में समृद्धि एवं सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। वही भगवान धन्वंतरि से अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है क्योंकि स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं होता ,व्यक्ति स्वस्थ है तो सबसे बड़ा सुखी है। पौराणिक कथा के अनुसार धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि समुद्र से हाथों में अमृत कलश लिए हुए प्रकट हुए थे। उनके हाथों में अमृत का कलश होने के कारण इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है। इसीलिए धनतेरस के दिन पूरे भारत में सोने, चांदी एवं विभिन्न प्रकार के बर्तनों की खरीदारी होती है। इस दिन चांदी के बर्तन या चांदी की कोई भी छोटी चीज विशेष रूप से खरीदी जाती है क्योंकि माना जाता है चांदी चंद्रमा का प्रतीक होता है और चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है एवं मन में संतोष उत्पन्न करता है और संतोष से बड़ा खुशी कुछ भी नहीं है क्योंकि जो संतुष्ट है वही व्यक्ति सबसे ज्यादा अमीर है। इसीलिए अपने जीवन में संतोष लाने के लिए इस दिन चांदी के बर्तन खरीदने की प्रथा है। हालांकि जैसी जिसकी क्षमता होती है वह उस अनुसार करता है। जिसकी क्षमता सोने चांदी के बर्तन खरीदने की नहीं है तो वह इस दिन झाड़ू खरीद के रख सकता है। बहुत से लोग इस दिन धनिया का बीज भी खरीद कर रखते हैं जिसे बाद में अपने घर के बाग में रोपते हैं। इसके अतिरिक्त धनतेरस के दिन संध्या काल में भगवान यमराज के नाम पर दक्षिण दिशा में दिया जलाकर रखने की प्रथा है। माना जाता है धनतेरस के दिन जो भी दक्षिण दिशा में यमराज के नाम से दिया रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है और उनके जीवन पर यमराज की कृपा बनी रहती है। इसके अतिरिक्त घर के मुख्य प्रवेश द्वार एवं आंगन में भी दीप प्रज्वलित किया जाता है। इस दिन किसी को भी भूल से उधार नहीं दिया जाता है। माना जाता है ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। धनतेरस का त्योहार दिवाली के 2 दिन पहले मनाया जाने वाला त्यौहार है जो कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को पड़ता है। दिवाली 5 दिनों का त्यौहार होता है और लोग दिवाली मनाने की शुरुआत धनतेरस से ही कर देते हैं। धनतेरस के दिन भी लोग दिवाली की तरह ही अपने घरों की सजावट करते हैं दिए जलाते हैं। धनतेरस का त्यौहार हिंदू धर्म में बहुत ही महत्व रखता है क्योंकि माना जाता है इसी दिन भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले थे इसके बाद इन्होंने ही संसार में चिकित्सा विज्ञान का विस्तार एवं प्रसार किया था। भगवान धन्वंतरी भगवान विष्णु के ही अवतार थे। इसीलिए धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना करके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है। धनतेरस के दिन एवं सुख समृद्धि की माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है और उनके साथ भगवान गणेश की भी पूजा की जाती है और घर में सुख समृद्धि की प्रार्थना की जाती है। धनतेरस के दिन कई सारी प्रथा भी है जो लोग निभाते हैं। पहली प्रथा तो यह है कि धनतेरस के दिन सोने चांदी के आभूषण खरीदे जाते हैं। माना जाता है कि भगवान धन्वंतरी समुद्र कलश लेकर प्रकट हुए थे। उनके हाथों में बर्तन होने के कारण ही इस दिन लोग सोने चांदी के आभूषण या फिर बर्तन खरीदना शुभ मानते हैं। हालांकि जरूरी नहीं कि सबकी क्षमता एक बराबर हो।

तुलसी से मिलने वाले संकेत, न करें नजर अंदाज

हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा बहुत ही पवित्र और पूजनीय माना गया है। यह लगभग हर हिंदू घर में पाया जाता है और इसकी विधि-विधान पूर्वक पूजा भी की जाती है। मान्यताओं के अनुसार हरा-भरा तुलसी का पौधा व्यक्ति के लिए सौभाग्य लेकर आता है। लेकिन अगर तुलसी के पौधे में यह कुछ संकेत दिखाई देते हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है।

तुलसी के पौधे का मुरझाना- यदि आपके आंगन में तुलसी का पौधा अचानक मुरझा जाता है, तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है। यह इस बात का इशारा करता है कि आपके परिवार में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनने वाली है। वहीं, बेमौसम अगर आपकी तुलसी मुरझा जाती है, तो इसका अर्थ है की मां लक्ष्मी आपके घर से जाने वाली हैं।

तुलसी का झड़ना- मौसम के अनुसार तुलसी के पत्तों का झड़ना एक आम बात है, लेकिन अगर आपके घर में तुलसी के पत्ते अचानक झड़ने लगते हैं, तो यह एक अशुभ संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति को धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है या फिर उसे चोट आदि भी लग सकती है।

तुलसी का काला पड़ना- यदि आपके घर में की तुलसी काली पड़ गई है तो ऐसे में आपको सावधान होने की जरूरत है, क्योंकि यह नजर दोष का भी संकेत हो सकती है। वहीं, अगर आपकी तुलसी फल-फूल नहीं रही तो यह भी घर में नकारात्मक शक्ति का संकेत हो सकता है।

सुधारें गलत आदतें- अगर तुलसी के पत्ते, पीले होकर झड़ने लगते हैं, तो इसका अर्थ है कि आपकी पूजा सफल नहीं हो रही है, उसमें कोई बाधा आ रही है। ऐसे में आपको विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने की जरूरत है। वहीं, अगर बहुत ध्यान रखने के बाद भी आपकी तुलसी फल-फूल नहीं रही तो हो सकता है कि मां लक्ष्मी आपसे रुष्ट है।

भाई की लंबी आयु के लिए भैया दूज पर बहनें अपनाएं उपाय

हिंदू धर्म में भाई दूज का पर्व विशेष महत्व रखता है। भाई-बहन के बीच प्रेम का पर्व यानी भाई दूज मुख्यतः दिवाली के पांचवें दिन मनाया जाता है। इस दिन बहन, अपने भाईयों के सफल जीवन की कामना के साथ व्रत रखती हैं।भाई दूज के कुछ ऐसे उपाय जिनके द्वारा भाई की आयु में वृद्धि होती है। भाई दूज के दिन किसी कारणवश आपका भाई आपके घर पर न सके, तो आप खुद भी भाई के घर जाकर भाई दूज मना सकती हैं। इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपके और आपके भाई के ऊपर यमराज की कृपा बनी रहती है और दोनों को ही लंबी उम्र की प्राप्ति होती है। भाई दूज पर पूजा के दौरान भाई को पूर्व की ओर मुंह करके बिठाएं। साथ ही भाई का तिलक करते समय इस मंत्र का जाप जरूर करें

गंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को,
सुभद्रा पूजे कृष्णा को गंगा यमुना नीर बहे
मेरे भाई की आयु बढ़े'।

जरूर करें ये उपाय-

भाई दूज के दिन भाई बहन को पवित्र नदी यमुना में स्नान करना चाहिए। इससे दोनों के ही जीवन में खुशहाली बनी रहती है और लंबी उम्र का वरदान मिलता है। साथ ही इस दिन संध्याकाल में बहने यमराज का नाम लेकर चौमुखी दिया घर के बाहर जलाकर रखें। भाई दूज के दिन किसी गरीब या फिर जरूरतमंद को खाना खिलाना चाहिए। ऐसा करने से भाई-बहन के जीवन में खुशहाली बनी रहती है। साथ ही घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बेसन से बनाएं मजेदार पकवान!

बेसन लगभग सभी भारतीय किचन का एक मुख्य अंग है। यह एक उपयोगी और संतुलित आहार है, जिसे सभी मजे से खाते भी हैं। अगर घर में सब्जी नहीं है, तो आराम से बेसन की सब्जी बना सकते हैं। मेहमान के आने पर फटाफट बेसन के पकौड़े फ्राई करके परोस सकती हैं। बेसन की कढ़ीः बेसन में हल्दी,नमक,जीरा डाल कर अच्छे से फेंटें और गाढ़ा घोल तैयार करें। अब इसकी छोटी छोटी पकौड़ी छान लें। इस पकौड़ी की जगह आप उरद दाल के वड़े भी बना सकते हैं। अब एक कटोरे में बेसन और दही का पतला घोल तैयार करें। गर्म तेल में जीरा,करी पत्ता और मेथी का तड़का दें, इसमें हल्दी डालने के बाद बेसन दही का घोल डालें। लगातार चलाते रहें जबतक घोल गाढ़ा न होने लगे। चार पांच उबाल आने के बाद कढ़ी तैयार है। बेसन की पकौड़ीः चाहे प्याज़ हो या आलू, गोभी, लौकी, इस प्रकार की कोई भी सब्जी को आप बेसन के घोल में डालें और झटपट हरी चटनी और चाय के साथ सर्व करें। बेसन का चीलाः बेसन के घोल में टमाटर, प्याज, हरी मिर्च, धनिया डाल कर तवे पर फैला कर चीला तैयार करें। बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी को चीला बहुत पसंद आता है और ये टिफिन के लिए फटाफट तैयार होने वाला सबका पसंदीदा नाश्ता है।

दिवाली पर डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं मिठाइयों का मजा

कोई भी त्योहार मिठाइयों के बिना अधूरा रहता है। फेस्टिव सीजन में लोग खूब मिठाइयां खाते हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीज शुगर बढ़ने की वजह से मीठा खाने से परहेज करते हैं। ऐसे में उनके लिए त्योहार की रौनक कम हो जाती है। अगर आप भी डायबिटीज से परेशान हैं और मीठा खाना पसंद है, तो इस दिवाली इन मिठाइयों का आनंद ले सकते हैं।

अंजीर की बर्फी- अंजीर में नेचुरल शुगर पाया जाता है। आप इसकी बर्फी बना सकते हैं। इसमें आप चीनी की जगह शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। जिससे डायबिटीज के मरीजों को कोई ज्यादा नुकसान नहीं होगा और मीठा खाने का भी आनंद ले सकते हैं, लेकिन इसे पर्याप्त मात्रा में ही खाएं।

मखाने की खीर- डायबिटीज के मरीजों के लिए मखाने की खीर भी बना सकते हैं। इसके लिए दूध और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध को तब तक उबालें, जब तक ये गाढ़ा न हो जाए। अब इसमें मखाने का पेस्ट मिलाएं, कुछ देर गैस पर रहने दें, इसके बाद ड्राई फ्रूट्स से गार्निश करें।

बेसन के लड्डू- आप बेसन के लड्डू घर पर बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए चीनी की जगह गुड़ या शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में डायबिटीज के रोगी भी बेसन के लड्डू को खा सकते हैं।

गाजर का हलवा- गाजर का सीजन चल रहा है, ऐसे में आप दिवाली पर स्वादिष्ट गाजर के हलवे का आनंद ले सकते हैं, लेकिन अगर डायबिटीज के मरीजों को यह हलवा खाना है, तो इसे बनाते समय चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करें। इसमें घी और दूध की मात्रा कम रखें।

सेब का हलवा- फेस्टिव सीजन में सेब का हलवा भी बना सकते हैं। इसे भी बनाने के लिए गुड़ का उपयोग करें। जो डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। यह व्हिस्क ए विश बेकरी दिवाली के लिए शुगर फ्री मिठाइयों की सबसे अनुरूप दुकान है। आप यहां पर आकर इनके शुगर फ्री केला किशमिश केक का आनंद लें सकते हैं. यह उनके मेनू के सबसे लोकप्रिय केक में से एक है. केले और किशमिश से प्राकृतिक रूप से मीठा.

शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
उत्तर भारतीय एकता मंच
शुभ
दिवाली
शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
अशोक तिवारी
राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना
राष्ट्रीय अध्यक्ष - उत्तर भारतीय एकता मंच
विनोद कुमार सिंह
राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना
राष्ट्रीय महासचिव - उत्तर भारतीय एकता मंच